शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 22, पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शनिवार 17 फरवरी 2024 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

हरियाणा को पीएम ने दी एम्स की सौगात

विकसित भारत बनाने के लिए हरियाणा का विकसित होना बहुत जरूरी, कपड़ा और परिधान उद्योग में हरियाणा का बड़ा नाम

रेवाड़ी

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रेवाड़ी की वीर धरा पर हरियाणा की जनता से आने वाले वर्षों में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए अपना सहयोग देने का आह्वान किया। उन्होंने हरियाणा को अद्भुत संभावनाओं का राज्य बताते हुए कहा कि हरियाणा निवेश के लिए उत्तम राज्य के रूप में उभर रहा है और निवेश बढ़ने से नौकरियों के अवसरों में भी वृद्धि होगी। डबल इंजन की सरकार विकसित हरियाणा बनाने में जुटी है, जिससे आज की युवा पीढ़ी का भविष्य उज्जवल होने वाला है। टेक्नोलॉजी से टेक्सटाइल और टूरिज्म से ट्रेड तक राज्य में हर क्षेत्र में नए अवसर बढ़ने से युवाओं को रोजगार व स्व रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री जिला रेवाड़ी में आयोजित कार्यकर्म में एम्स व अन्य परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास करने उपरांत समारोह में उपस्थित जन समूह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री मनोहर लाल सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। नरेंद्र मोदी ने कहा कि वर्ष 2013 में जब भारतीय जनता पार्टी ने मुझे पीएम के उम्मीदवार के रूप में घोषित किया था, तो मेरा पहला कार्यक्रम रेवाड़ी में हुआ था। उस समय रेवाड़ी ने

ज्योतिसर अनुभव केंद्र भगवान श्रीकृष्ण के गीता संदेश व हरियाणा की पावन धरा से दुनिया को कराएगा परिचित

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए हरियाणा का विकसित होना भी बहुत जरूरी है और इसी कड़ी में आज हरियाणा के लिए लगभग 10 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया है। इन परियोजनाओं में कृष्णा सर्किट योजना के तहत ज्योतिसर में बना अनुभव केंद्र भी शामिल है। यह केंद्र भगवान श्रीकृष्ण के गीता संदेश व हरियाणा की पावन धरा से दुनिया को परिचित कराएगा। उन्होंने कहा कि रेवाड़ी मोदी की गारंटी का सबसे पहला गवाह है। जब पीएम पद के उम्मीदवार के रूप में मैंने यहां से देश को कुछ गारंटियां दी थी।

उस समय देश की इच्छा थी कि दुनिया में भारत की साख बढ़े, यह हमने कर-के सिखाया। अयोध्या में प्रभु राम का भव्य मंदिर का निर्माण कराया है, जहां आज प्रभु श्रीराम लला के दर्शन पूरा देश कर रहा है। नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस के लोग, भगवान राम को काल्पनिक बताते थे, जो कभी नहीं चाहते थे कि अयोध्या में प्रभु राम का मंदिर बने, वे भी आज जय सिया राम बोलने लगे हैं। प्रधानमंत्री ने कि दशकों तक कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने पर रोड़े अटकाए थे। मैंने देशवासियों को गारंटी दी थी कि जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाकर रहूंगा। कांग्रेस की लाख कोशिशों के बावजूद आज आर्टिकल 370 इतिहास के पन्नों में खो गया है। लोगों ने एक और संकल्प लिया है ओर जनता जनार्दन कह रही है कि जिसने धारा 370 को हटाया है, उस भारतीय जनता पार्टी का तिलक 370 सीटों से होगा और एनडीए को 400 पार।

272 पार का आशीर्वाद दिया था, जो मेरे लिये सिद्धि बन गया। अब जनता कह रही है कि फिर एक बार रेवाड़ी आया हूँ तो आपका आशीर्वाद मिलेगा और अब की बार एनडीए सरकार 400 पार। लोकतंत्र में सीटों के महत्त्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि उनके लिए जनता जनार्दन का आशीर्वाद ही सबसे बड़ी पूंजी है। आज पूरी दुनिया में भारत नई ऊँचाई पर पहुंचा है, ये जनता के आशीर्वाद के कारण ही संभव हुआ है। जिस प्रकार आज दुनिया में भारत को सम्मान मिलता है, वह मोदी का सम्मान नहीं, बल्कि हर भारतीय का सम्मान है।

भारत का तिरंगा चंद्रमा पर वहाँ पहुंचा, जहाँ कोई नहीं पहुँच सका। पिछले 10 वर्षों में भारत 11 वें नंबर से ऊपर उठकर पांचवें नंबर की आर्थिक महाशक्ति बना है, ये भी जनता के आशीर्वाद से हुआ है और अब अगली टर्म में जनता के आशीर्वाद से भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनाना है।

केंद्र की हरियाणा से जो भी अपेक्षाएं हैं, उसे हम पूरा करेंगे:मनोहर लाल

Prime Minister, Sh. Narendra Modi being presented with a memento by Haryana Chief Minister, Sh. Manohar Lal during a programme organized in District Rewari on February 16, 2024.

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है, जब देश के 22वें एम्स का यहां शिलान्यास हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 में प्रधानमंत्री जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, उस समय देश की जनता उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में देख रही थी, उनकी प्रधानमंत्री की वो यात्रा 15 सितंबर, 2013 को रेवाड़ी की धरा से ही आरंभ हुई थी। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों की वर्षों पुरानी मांग थी कि एम्स का केंद्र खोला जाए और आज उसका शिलान्यास हुआ है। हरियाणा सरकार द्वारा भी प्रदेश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने की जो एक मुहिम चलाई हुई है, उस मुहिम में भी यह एम्स एक बड़ा महत्त्व रखता है। इस एम्स से न केवल दक्षिण हरियाणा के लोगों को बल्कि राजस्थान के लोगों को भी बहुत बड़ा लाभ मिलने वाला है। उन्होंने इस एम्स के लिए माजरा गांव के लोगों का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने अपनी पंचायती जमीन दी है। इसके अलावा निजी लोगों की जमीन भी खरीदी गई है। मनोहर लाल ने लगभग 5500 करोड़ रुपये की लागत से गुरुग्राम मेट्रो प्रोजेक्ट का शिलान्यास करने के लिए भी प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस मेट्रो सेवा से देश-विदेश के लोगों को बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा कि मिलेनियम सिटी गुरुग्राम देश व प्रदेश की प्रगति में बहुत बड़ी भूमिका अदा करती है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा का अपना पहला हवाई अड्डा जिला हिसार में बन रहा है। बहुत जल्दी वहाँ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की भी शुरूआत की जाएगी। इसी प्रकार रेलवे नेटवर्क को मजबूत करने के लिए भी प्रधानमंत्री ने आज रोहतक से हांसी रेल लाइन का शुभारंभ किया है। उन्होंने कहा कि आज का दिन सांस्कृतिक महत्त्व की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

जेलों में भीड़ कम करने के लिए जिला स्तरीय कमेटियों का दायरा बढ़ाया

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर की जेलों में भीड़ को कम करने के लिए जिला स्तरीय कमेटियों के दायरे का विस्तार कर दिया है, जिनका गठन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की ओर से किया जाना है। ये कमेटियां जेलों में बंद महिला कैदियों की समस्याओं पर भी गौर करेंगी। जस्टिस हीमा कोहली की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 9 फरवरी को देशभर की जेलों में बंद महिला कैदियों के गर्भधारण की चिंताजनक संख्या पर स्वतः संज्ञान लिया था। कलकत्ता हाई कोर्ट में एक याचिका के जरिये पश्चिम बंगाल की जेलों और सुधार गृहों में महिला कैदियों के गर्भवती होने की परेशान करने वाली प्रवृति के बारे में बताया गया था। इसके पहले 30 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने जिला स्तरीय कमेटियों के गठन का निर्देश दिया था। इन कमेटियों को जेलों में मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर का आकलन करने और जेलों में दूसरी अतिरिक्त सुविधाओं की जरूरतों का निर्धारण करने को कहा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इन कमेटियों में डिस्ट्रिक्ट जज, जिला विधिक सहायता सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष, डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट, जिला पुलिस अधीक्षक और जेल अधीक्षक शामिल होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को 5 अप्रैल 2024 तक इस संबंध में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2024 स्थगित नहीं, बोर्ड ने स्पष्टीकरण जारी किया

नई दिल्ली

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शुक्रवार को बोर्ड परीक्षा 2024 को स्थगित करने के बारे में सोशल मीडिया पर प्रसारित फर्जी सर्कुलर के खिलाफ स्पष्टीकरण जारी किया।फर्जी सर्कुलर में कहा गया है कि सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2024 को किसानों के चल रहे विरोध के कारण स्थगित कर दी गई है।

इसे देखते हुए सीबीएसई ने एक्स पर एक आधिकारिक पोस्ट में स्पष्ट किया कि बोर्ड द्वारा ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है। सीबीएसई बोर्ड सोशल मीडिया में वायरल हो रहे उस पत्र को फर्जी और भ्रामक बताते हुए कहा है कि बोर्ड ने ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया है। फर्जी नोटिस में कहा गया था, ह्वयह बोर्ड के संज्ञान में आया है कि किसान विरोध के कारण, बोर्ड को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, वे स्कूलों में उपस्थित होने में असमर्थ हैं, इसलिए सरकारी दिशानिदेर्शों के अनुसार बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं।

आपको नई तारीखों के बारे में सूचित कर दिया जाएगा। समस्या को देखते हुए, सीबीएसई ने परीक्षा केंद्र की तारीखों को स्थगित करने का फैसला किया है।

विधानसभा में सीएम केजरीवाल ने पेश किया विश्वास प्रस्ताव

नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विश्वास प्रस्ताव पेश किया। दिल्ली के अलीपुर में आगजनी की घटना और इसमें पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात के बाद दिल्ली विधानसभा पहुंचे मुख्यमंत्री केजरीवाल ने भाजपा पर विधायकों की खरीद फरोख्त की बात करते हुए विश्वास प्रस्ताव पेश किया, जिसे स्वीकार भी कर लिया गया । मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि कुछ दिनों पहले उनके पास दो विधायक आए। उन्होंने कहा कि उन्हें 25-25 करोड़ रुपये की

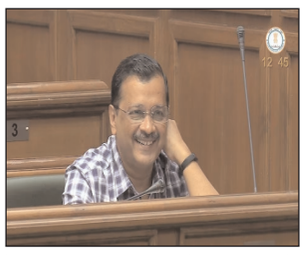

पेशकश की गई थी। केजरीवाल ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली की 21 आम आदमी पार्टी के विधायकों से भाजपा ने संपर्क किया था। उसके बाद हमने एक-एक विधायकों से संपर्क किया और पता चला कि 21 तो नहीं आम आदमी पार्टी के 7 विधायकों से भाजपा ने संपर्क किया था।

आगे केजरीवाल ने कहा कि यह जो तथाकथित शराब घोटाला है, यह कोई शराब घोटाला नहीं है। जैसा कि अन्य राज्यों में भाजपा सरकारें गिरा रही है, पार्टी तोड़ रही हैं, इनका मकसद दिल्ली के अंदर भी शराब घोटाले की आड़ में गिरफ्तार करके आम आदमी पार्टी की सरकार गिरना है। इन्हें पता है कि दिल्ली के अंदर चुनाव जीत नहीं सकते, जब चुनाव जीत नहीं सकते तो किसी भी तरह सरकार गिराकर अपनी सरकार बनाना भाजपा का मकसद है। लेकिन ऊपर वाले की दया है, उनका प्रयास सफल नहीं रहा।

गरीब व किसानों की समस्याओं से भाजपा सरकार का कोई सरोकार नहीं: राहुल गांधी

चंदौली/वाराणसी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को केंद्र की मोदी सरकार को महंगाई, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दे पर जमकर घेरा। राहुल ने कहा कि देश में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। किसानों की भूमि छीनी जा रही है, लेकिन सच दिखाने वाला कोई नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार का गरीब और किसानों की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है। राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में पहुंचने

पर सैयदराजा नेशनल इंटर कॉलेज के मैदान में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस समय देश में दो तरह की विचारधारा है। एक भाई को भाई से जोड़ती है और एक भाई से भाई की नफरत कराती है। इस यात्रा के जरिए नफरत के बाजार में वह मोहब्बत की दुकान खोलने आए हूं। इस यात्रा के जरिए हमने कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक मोहब्बत की दुकानें खोली हैं। उन्होंने कहा कि हम भाषण नहीं देते, आपसे 7-8 घंटे मिलते हैं, आपका दुःख दर्द सुनते हैं फिर आखिर में 15 मिनट बोलते हैं। राहुल अपनी जनसभा में पार्टी कार्यकताओं के साथ गठबंधन दल के कार्यकताओं की भीड़ देख उत्साहित नजर आए। उन्होंने कहा कि बॉर्डर पर आते ही पता चल गया कि उत्तर प्रदेश में आ गए हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि पिछली यात्रा से इस बार की यात्रा में एक अलग मुद्दा न्याय का जोड़ा गया है। यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने सैयदराजा स्थित शहीद स्मारक पर शहीदों को नमन कर पुष्प चक्र अर्पित किया।

हरियाणा के मोस्ट वॉन्टेड नरेंद्र सिंह को यूएई से प्रत्यर्पण करके भारत लाया गया

चंडीगढ़

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम हरियाणा के मोस्ट वांटेड को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से प्रत्यर्पण करके शुक्रवार को भारत ले आई है। उसके खिलाफ फतेहाबाद जिले के टोहाना पुलिस थाने में मर्डर, दंगे और जानबूझकर नुकसान पहुंचाने जैसी संगीन धाराओं में दर्ज मामले दर्ज हैं। नरेंद्र सिंह नाम के इस मोस्ट वांटेड अपराधी को उम्रकैद की सजा भी मिल चुकी है। हरियाणा पुलिस के अनुसार नरेंद्र सिंह के खिलाफ दिसंबर, 1994 में फतेहाबाद के टोहाना पुलिस स्टेशन में हत्या, दंगा और जानबूझकर गंभीर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज किया था। करीब चार साल बाद ट्रायल कोर्ट ने उसे बरी कर दिया। इस पर पुलिस ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में अपील की, जिसने फैसले को पलट दिया। हाई कोर्ट ने 24 अक्टूबर, 2009 को उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई लेकिन वह फरार हो गया। इसके बाद हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर सीबीआई ने 7 नवंबर, 2023 को उसके खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस जारी

करवाया था। हरियाणा पुलिस ने नरेंद्र सिंह की गिरफ्तारी के लिए सभी इंटरपोल सदस्य देशों को नोटिस भेजा था। इंटरपोल ने 2023 में नरेंद्र के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। सीबीआई के ग्लोबल ऑपरेशन सेंटर ने इंटरपोल से संपर्क किया। सीबीआई ने इंटरपोल के माध्यम से यूएई में नरेंद्र सिंह का पता लगाया गया। इसके बाद विदेशी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सघन समन्वय एवं कार्रवाई के बाद नरेंद्र सिंह को यूएई में हिरासत में ले लिया गया।

हरियाणा पुलिस ने पुष्टि की है कि अब सीबीआई की टीम हरियाणा के मोस्ट वॉन्टेड नरेंद्र सिंह को यूएई से प्रत्यर्पण कर वापस भारत ले आई है।

अब खुलेगी तेजस्वी यादव की फाइल !

पटना

बिहार की महागठबंधन सरकार टूटने के बाद नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने पूर्व में सरकार में शामिल रहे राजद कोटे के कुछ मंत्रियों के विभागों के कामकाज की समीक्षा का निर्णय लिया है। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। सरकार ने फिलहाल जिन विभागों के कार्य और निर्णयों की समीक्षा का निर्णय लिया है उनमें से अधिकांश विभाग उक्त सरकार में उप मुख्यमंत्री रहे तेजस्वी यादव के पास थे। तेजस्वी यादव के अलावा दो अन्य

मंत्रियों के विभागों के निर्णयों की समीक्षा होगी। जो विभाग उप मुख्यमंत्री के रूप में रूप में तेजस्वी के पास थे उनमें स्वास्थ्य, पथ निर्माण, नगर विकास एवं आवास विभाग और ग्रामीण कार्य विभाग शामिल हैं। तेजस्वी के पास के इन चार विभाग के अलावा राजद विधायक रामानंद यादव के पास रहे खान एवं भू-तत्व विभाग और ललित यादव के पास रहे लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) के कार्यों और निर्णयों की भी समीक्षा होगी। मंत्रिमंडल सचिवालय ने संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव व सचिवों को इस संबंध में जो पत्र भेजा है उसमें कहा गया है कि पहली अप्रैल 2023 के बाद संबंधित विभागों ने कार्य किए और जो निर्णय लिए उनकी समीक्षा की जाए। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि यदि आवश्यक हो तो सक्षम प्राधिकार से अनुमोदन के बाद उन निर्णयों और आदेशों में संशोधन कर दिया जाए।

कांग्रेस भ्रष्टाचार भी करती है लेकिन हिसाब-किताब नहीं करती है: बीजेपी

नई दिल्ली

बैंक खातों को फ्रीज करने के मामले में कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों पर पलटवार करते हुए भाजपा नेता रवि शंकर प्रसाद ने इन आरोपों का खंडन किया है। रवि शंकर प्रसाद ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा भाजपा पर लगाया गया आरोप कि उनका अकाउंट भाजपा के दबाव में फ्रीज किया गया है, यह पूरी तरह से बेबुनियाद है। प्रसाद ने कांग्रेस के आरोप की कड़ी भर्त्सना करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने लिए पैसे की अच्छी व्यवस्था करती है, भ्रष्टाचार भी करती है लेकिन हिसाब-किताब नहीं करती है। यहां मीडिया से बातचीत में उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ की गई कार्रवाई को आयकर विभाग की रूटीन प्रक्रिया बताते हुए कहा कि भाजपा का इससे कोई लेना-देना ही नहीं है, यह एक नियमित आयकर प्रक्रिया थी। इस प्रक्रिया के तहत 105 करोड़ रुपये के टैक्स की मांग की गई, कांग्रेस ने इसके खिलाफ अपील की, जिसमें 20 प्रतिशत राशि जमा करनी पड़ती है लेकिन कांग्रेस ने सिर्फ 78 लाख जमा किया।

कांग्रेस के फ्रीज खातों से रोक हटी: पार्टी ने कहा था- ना बिजली बिल भर पा रहे, ना कर्मचारियों को सैलरी दे पा रहे

नई दिल्ली

इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल ने शुक्रवार को दोपहर 12.30 बजे कांग्रेस के फ्रीज खातों पर लगी रोक हटा दी है। एक घंटे पहले कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि पार्टी के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया। कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि इनकम टैक्स ने यूथ कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी से 210 करोड़ रुपए की रिकवरी मांगी है। माकन ने कहा- हमें गुरुवार को जानकारी मिली कि बैंकों ने पार्टी के द्वारा जारी किए गए चेक रोक दिए हैं। वे हमारे चेक क्लियर नहीं कर रहे। कांग्रेस पार्टी के खाते भी फ्रीज कर दिए गए हैं। इसके अलावा क्राउड फंडिंग वाले अकाउंट को भी फ्रीज कर दिया गया है। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा- अभी हमारे पास बिजली का बिल भरने के लिए और अपने कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं हैं। अकाउंट फ्रीज होने के कारण न केवल भारत जोड़ो न्याय यात्रा, बल्कि पार्टी की सभी राजनीतिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। यह लोकतंत्र को फ्रीज करने जैसा है।

आप लोगों को आज सुबह-सुबह बहुत ही चिंताजनक और निराशाजनक खबर शेयर करने के लिए बुलाया है। आप लोगों को जानकर आश्चर्य होगा और सही मायने में दुख भी होगा। हिन्दुस्तान के अंदर लोकतंत्र पूरी तरह से खत्म हो गया है। लोकतंत्र की तालाबंदी हो गई है। हम लोगों को परसों

(14 फरवरी) यह जानकारी मिली कि हम लोग जो चेक जारी कर रहे, बैंक उसे क्लियर नहीं कर रहे हैं। उसके ऊपर जब हम लोगों ने आगे छानबीन की तो हमें बताया गया कि देश की मुख्य विपक्षी पार्टी के अकाउंट्स फ्रीज कर दिए गए हैं। कांग्रेस पार्टी के अकाउंट्स पर तालाबंदी हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इलेक्शन बॉन्ड के जरिए मिले जिन पैसों को असंवैधानिक कर दिया है, उसे भाजपा खुलेआम खर्च कर रही है। ऐसे में देश में लोकतंत्र कहां से रह पाएगा। चुनाव से ठीक पहले अगर देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी का पैसा फ्रीज कर दिया जाता है तो इससे बड़ी दुख की बात कुछ नहीं हो सकती। क्या हमारे देश के अंदर एक पार्टी का ही सिस्टम रहेगा। क्या देश के अंदर वन पार्टी पॉलिटिक्स रहेगी। बाकी दलों के अकाउंट्स फ्रीज हो जाएंगे। बाकी दलों को क्या रहने का अधिकार नहीं है। ये 2018-19 के इनकम टैक्स रिटर्न के बेस पर 210 करोड़ की रिकवरी मांगी गई है। अभी 2024 चल रहा है और लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। इसके क्या कारण हैं। दो कारण हैं।

पहला कारणः हम लोगों को 31 दिसंबर 2019 तक अपने अकाउंट सबमिट करने थे। शायद 40 दिन लेट अकाउंट सबमिट किया गया। अक्सर लोग 10-15 दिन लेट हो जाते हैं।

दूसरा कारणः 2018-2019 इलेक्शन का साल था। उस समय 199 करोड़ रुपए की रसीद कांग्रेस पार्टी के पास थी, जो खर्च हुई थी। उसमें से केवल 14 लाख 40 हजार रुपए हमारे सांसद और विधायकों ने अपनी एक महीने की तनख्वाह कैश में जमा करवाई थी। इसी वजह से कांग्रेस पार्टी पर 210 करोड़ रुपए की पेनाल्टी लगा दी गई है।

आशा बहुओं की मांगों को शासन तक पहुंचना मेरा नैतिक कर्तव्य : डा बबलू

आल इंडिया स्कीम वर्कर्स फैडरेशन के आह्वान पर छः सूत्रीय मांगों को लेकर आशा बहुओं ने सीएचसी मेजा में किया एक दिवसीय प्रदर्शन सौंपा ज्ञापन पत्र

अखंड भारत संदेश

मेजा। आल इंडिया स्कीम वर्कर्स फेडरेशन के आह्वान पर मेजा की आशा बहुओं ने छः सूत्रीय बुनियादी मांगों को लेकर शुक्रवार को सीएचसी मेजा में एक दिवसीय धरना - प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री को संबोधित मांग पत्र अधीक्षक डा.बब्लू सोनकर को सौंपा। उल्लेखनीय है कि आशा बहू अध्यक्ष किरन सिंह व सचिव संध्या श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में कहा गया कि 50 से अधिक काम लिए जाते हैं, लेकिन उसका कोई भुगतान उन्हें नहीं मिलता है। जिन दो चार कार्यों की प्रोत्साहन राशियां दी भी जाती हैं, उनका निर्धारण वर्षों पूर्व किया गया था। उनके श्रम के सापेक्ष उनका कभी कोई पुनर्निर्धारण नही किया गया है। जबकि भविष्य निधि, ग्रेजुटी, किसी तरह की सामाजिक सुरक्षा, यहां तक की साप्ताहिक वार्षिक अवकाश तथा एक दिन का भी मातृत्व अवकाश तक नहीं दिया जाता है। मांगो के क्रम में संगिनी और आशा कर्मियों को राज्य स्वास्थ्यकर्मी के रूप में मान्यता देकर उन्हें न्यूनतम वेतन, मातृत्व अवकाश कार्यस्थलों में सुरक्षा की गारंटी देने, राज्य कर्मचारी बीमा निगम का सदस्य बनाने, 10 लाख का स्वास्थ्य बीमा और 50 लाख का जीवन बीमा कवर और कार्य के घंटे निर्धारित किए जाने की मांग की है।

इसके अलावा साप्ताहिक अवकाश, त्यौहारी व राष्ट्रीय अवकाश सुनिश्चित करने की मांग भी शामिल है।गौरतलब है कि आशा बहुओं द्वारा उनकी छ सूत्रीय मांग पत्र लेने के पश्चात अधीक्षक मेजा डॉ बबलू सोनकर ने प्रदर्शन कर रहीं आशा कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सबकी मांगें जायज हैं इस मांग पत्र को शासन तक भेजना मेरा नैतिक कर्तव्य है। इस मौके परआशा,रंजना, पुष्पा, कंचन, पूनम श्रीवास्तव, पूजा, बेलाकली, रेखा और प्रमिला सहित समस्त आशा वर्कर्स मौजूद रहीं।

स्वास्थ्य केंद्र करछना पर आशा वर्कर्स यूनियन ने किया प्रदर्शन

करछना प्रयागराज शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करछना से संबंधित आशा वर्कर्स एवं आशा संगिनी अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया और हड़ताल पर रहने के कारण अस्पताल में मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा अपनी मांगों को लेकर उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल आफ ट्रेड यूनियन एक्ट के आह्वान पर लंबित मामलों को लेकर आशा वर्कर्स ने अपनी मांगों में दुर्घटना बीमा मातृत्व लाभ, जीवन बीमा,एवं अस्थाई नौकरी अन्य मांगों को लेकर प्रदेश व्यापी? आह्वान पर हड़ताल पर रहते हुए स्वास्थ्य केंद्र करछना पर आशा वर्कर्स यूनियन द्वारा धरना प्रदर्शन कर दिनभर हड़ताल पर रहे अपनी मांगों से संबंधित मांग पत्र अधीक्षक करछना को दिया धरना प्रदर्शन में शामिल आशा वर्कर्स यूनियन करछना की अध्यक्ष मीना सिंह अन्नपूर्णा झा शशि किरण संगीता सिंह पूनम सिंह ज्योति मिश्रा सुनीता पांडे सुनीता द्विवेदी कुसुम देवी धर्म आसमा खातून सजदा बेगम कंचन सिंह मंजू सुशीला देवी सविता देवी गायत्री देवी शाहिदा बेगम सरिता पटेल रेवती शुक्ला किरण सिंह आदि बड़ी संख्या में सैकड़ों की तादाद में आशा वर्करों ने अपनी मांगों से संबंधित राज्य एवं केन्द्र सरकार को सम्बोधित ज्ञापन दिया।

छात्राओं के सम्मान में आयोजित मिस फेयर वेल खिताब 2024 बनी फिजा बानों

करछना। बाल विद्या मंदिर बालिका इंटर कॉलेज करमा में कक्षा12वीं की छात्राओं के सम्मान में फेयरवेल पार्टी का आयोजन हुआ। माँ सरस्वती पूजा और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए अतिथियों ने पुष्प अर्चन और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल में चार चांद लगा दिया। इस दौरान प्रिंसिपल सबा खान ने मिस फेयरवेल 2024 का खिताब के लिए फिजा बानो को चुना।जूनियर्स और सीनियर्स ने कॉलेज के बीते दिनों को भी साझा किया। विदाई समारोह में विद्यालय के प्रबंधक प्रभा कांत तिवारी ने कहा कि यह विदाई नहीं बल्कि छात्रों की भविष्य के लिए एक नई शुरूआत हो रही है। यह विद्यालय आज भी उन छात्राओं के लिए है और भविष्य में रहेगा।जो इस विद्यालय से पढ़कर अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल होंगी। विद्यालय की प्रशासक शाहिदा किरमानी ने कहा कि विद्यालय अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए क्षेत्र और समाज में एक अलग पहचान बनाने में हमेशा अग्रणी रहा। समाज की चुनौतियों और प्रतिस्पर्धा के दौर में भी सर्वोत्तम रहा है और आगे भी रहेगा। अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्य सबा खान ने कहा कि विद्यालय में ऐसे आयोजनों से छात्रों में नई ऊर्जा और नए उत्साह के साथ आगे बढ़ाने और बढ़ाने तथा नए कीर्तिमान स्थापित करने सहायक होगा। इस अवसर पर बेचन लाल गुप्ता, सुरेन्द्र मिश्र, वंदना आर्य,सुमन, आफरीदा,नुसरा, कशिश पाण्डेय आदि शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

कोटेदार और आपूर्ति अफसर की दोस्ती चर्चा का विषय बनी

कूट रचित कार्यवाही करके फर्जी जांच रिपोर्ट का मामला,पुलिस आशुक्त और जिलाधिकारी तथा एडीएम आपूर्ति से एफआईआर की मांग

कोरांव। सार्वजनिक वितरण प्रणाली में व्याप्त भ्रष्ट्राचार को बढ़ावा आपूर्ति अधिकारी ही देते आ रहे जिससे सरकार की छवि खराब की जा रही है। ऐसा मामला तहसील कोरांव प्रयागराज में देखने को मिला। उल्लेखनीय है कि उच्चित दर विक्रेता अल्हवा कोराव द्वारा कई बार खाद्यान्न घट तौलि कलाबाजारी आदि में जांचोपरांत कई बार निलंबित तथा कई बार अनुबंध जब्त कार्यवाही चेतावनी और एफआईआर के बावजूद मनमानी कार्य प्रडाली में सुधार न होने पर एक क्षुब्ध कार्ड धारक महिला ने विशेष सचिव खाद्य एवं रसद लखनऊ तथा जिलाधिकारी एडीएम सिविल सप्लाई प्रयागराज से जनसुनवाई पोर्टल से अपने ग्राम प्रधान के माध्यम से कार्यवाही जी मांग की थी। आपूर्ति निरीक्षक कोराव ने उक्त कोटेदार अल्हवा को हमेशा की तरह माहवारी सुविधा शुल्क पाने के कारण शिकायत कर्ता की फर्जी बयान तहरीर कोटेदार से बनवा कर कूट रचित जनसुनवाई शिकायत संख्या 40017523050064 में अपलोड कर शिकायत को असत्य दर्शा कर जिला पूर्ति अधिकारी प्रयागराज को रिपोर्ट भेज कर निस्तारण के साथ कोटेदार की हमदर्दी में विशेष बंद की संस्तुति कर दिया। इस मामले की जानकारी हुई तो कोटेदार और उसके पुत्र ने दलित महिला कार्ड धारक को तरह तरह की धमकियां दी। जिसकी प्राथिमिकी दर्ज किए जाने हेतु ब हलफ पुलिस आयुक्त प्रयागराज को शिकायत प्रेषित की। कोटेदार और उसके पुत्र तथा आपूर्ति निरीक्षक को आरोपी बनाया गया है। और केस दर्ज कराई जायेगी। और सक्षम कोर्ट में मुकद्दमा दर्ज कराने की कार्यवाही की जा रही है।

तमंचे पर डिस्को करने वाले युवकों को पुलिस ने भेजा जेल

सोरांव। क्षेत्र में अपराध को कम करने के लिए अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में शुक्रवार को उसरही गांव के पास दो युवकों को तमंचे के साथ गिरफ्तार कर सोरांव पुलिस ने जेल भेज दिया। गौरतलब है कि सोरांव पुलिस अपराधियों पर लगाम लगाने में कोई भी कोर कसर नहीं छोड़ रही है जिसको लेकर कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर अवैध असलहों के साथ दो युवकों को देखा गया था। जिसकी तलाश में सोराव पुलिस डटी थी मुखबिर खास की सूचना पर शुक्रवार को उसरही नहर के पास से उसरही निवासी राजू व प्रतापगढ़ निवासी हारून(दोनो नाम काल्पनिक) को थाना प्रभारी सोराव सतीश कुमार व दरोगा विपिन कुमार, दरोगा रवि कुमार शर्मा, दरोगा आलोक कुमार,दरोगा देवेश चंद्र व कांस्टेबल विशाल कुमार सिंह ने घेराबंदी कर दोनों युवकों को मय तमंचे के साथ गिरफ्तार कर लिया। तथा विधिक कार्रवाई करते हुए शाम को जेल भेज दिए।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बच्चों को मिलती है अच्छी प्रेरणा : कैलाश सिंह

शासन के मंशानुरूप प्रा वि बंधवा में आयोजित हुआ वार्षिकोत्सव कार्यक्रम

मेजा। विकासखंड मेजा के प्राथमिक विद्यालय बंधवा में शुक्रवार को स्कूल का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम व उत्साह पूर्वक मनाया गया।इस दौरान छोटे छोटे बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक माता पिता ग्रामीण बड़े ही उत्सुकता से बच्चों का कार्यक्रम देखा और प्रशंसा किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी मेजा कैलाश सिंह ने विद्यालय में उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि पहले केवल प्राइवेट स्कूल ही वार्षिकोत्सव का आयोजन होता रहा है अब शासन ने सभी परिषदीय स्कूलों में वार्षिक उत्सव मनाने का निर्देश दिया है जिसमें निपुण छात्रों को पुरस्कृत करना सांस्कृतिक कार्यक्रम खेलकूद चित्रकला नाटक प्रतिदिन की उपस्थित अनुशासन आदि में अव्वल बच्चों को सभी अभिभावकों के सामने सम्मानित कर उन्हें प्रोत्साहित करने के क्रम में यह कार्यक्रम पूरे विकास खंड में चल रहा है उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में अच्छी प्रेरणा मिलती है। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित भारतीय रेलवे बोर्ड के सदस्य आशीष कुमार मिश्रा ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि योगी जी ने बच्चों के लिए ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से स्कूलों में छात्रों को अच्छी शिक्षा मिल सके उसके लिए शुद्ध पीने के पानी बिजली का कनेक्शन फर्नीचर आदि कई संसाधनों को बढ़ाने का काम किया है साथ ही सभी बच्चों के खातों में 1200 रुपया भेज करके उन्हें मुक्त ड्रेस स्वेटर स्टेशनरी के लिए धनराशि खाते में भेजा है । उन्होंने कहा कि विद्यालय के बच्चों द्वारा जितने भी प्रदर्शन किए गए सभी काफी अच्छे थे उन्होंने सभी शिक्षकों की भी तारीफ किया। व्यापार मंडल के अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय का वार्षिकोत्सव बहुत ही शानदार रहा उन्होंने कहा की मैं भी इसी स्कूल का छात्र रहा हूं लेकिन उस समय इतनी व्यवस्था नही थी जितनी आज है। उन्होंने विद्यालय को दो सीलिंग फैन तथा आशीष मिश्रा ने एक स्मार्ट टीवी जल्द ही देने की घोषणा किया । वार्षिकोत्सव का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत से हुआ। क्रियाक्रम में निपुण छात्र निकहत, रीफत, साक्षी, अंश, शिवानी, शिवम आराधना, समर को सम्मानित किया गया साथ ही साथ नियमित उपस्थिति के लिए आकांक्षा,संध्या पांडे अंशिका को पुरस्कृत किया गया। गीत चित्रकला आदि के लिए कुमुद रिया डांस में अंजली अन्वी पीहू को पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर आयोजन के नोडल ग्राम विकास अधिकारी श्याम सूरत ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अनिल पटेल, वकील, प्रधानाध्यापक संध्या तिवारी, प्रीति दुबे शिवम शुक्ल, अमरेंद्र शुक्ल, विजय शंकर पटेल, सरोजा देवी कृपा शंकर पटेल गिरिजा देवी सहित सैकड़ों अभिभावक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। वार्षिकोत्सव क्रियाक्रम की अध्यक्षता शिक्षक संघ के अध्यक्ष मनीष तिवारी एवं संचालन अमित शुक्ला ने किया।

कैबिनेट मंत्री ने किया कृषि अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास

मऊआइमा। मऊआइमा क्षेत्र के छाता गांव में निर्माणाधीन कृषि अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास उत्तर प्रदेश कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में किया गया। ग्राम सभा छाता में तीन सौ बीघे निर्मित कृषि अनुसंधान केंद्र से किसानों को मिलने वाले लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र एवं कृषकों के विकास के लिए सरकार संकल्पबद्ध है ।और राज्य सरकारों के माध्यम से भी कृषि व किसानों के हित में योजनाबद्ध ढंग से कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। भाजपा जिला अध्यक्ष गंगापार कविता पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी चाहते हैं कि हमारे किसान आत्मनिर्भर, सशक्त और साम्थ्र्यवान बन सकें। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष शारदा प्रसाद शुक्ला, डॉ.प्रकाश पटेल, जय प्रकाश पटेल,उपाध्यक्ष दिवाकर मिश्रा, सलोने त्रिपाठी, महामंत्री हरि गोविंद पटेल,राकेश पांडेय ,शुभम सिंह सहित कृषि अनुसंधान केंद्र के तमाम कर्मचारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों की फटकार से पहुंचे ग्राम सचिव

भारतीय किसान यूनियन किसान की बैठक के बाद हरकत में आये आला अफसर

तत्काल शुरू हुई साफ- सफाई

35 सालों से गड़े हैं खंभे, लटक रहे हैं तार लेकिन बिजली नहीं

300 की आबादी में पीने का पानी नहीं

बारा। विकास खंड शंकरगढ़ के ग्राम पंचायत लोहरा की भारत नगर बस्ती में शुक्रवार को आयोजित भारतीय किसान यूनियन (किसान) की बैठक की सूचना मिलते ही जिले के अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया। जिला विकास अधिकारी के आदेश पर गांव में पहुंचे ग्राम विकास सचिव ने तत्काल साफ- सफाई का कार्य शुरू कराया गया। ग्राम पंचायत अधिकारी ने ग्राम वासियों से एक सप्ताह के भीतर हैंडपंप लगाने का वायदा किया। बैठक में बताया गया कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना में 120 मीटर तक सड़क व नाली निर्माण का प्रस्ताव पारित किया गया है। अप्रैल में सड़क व नाली का कार्य कराया जायेगा। अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग के आदेश के बाद गाँव में जेई लोहरा पावर हाऊस पहुंचे और बिजली की व्यवस्था करने का वायदा किया। जेई के हल्का ईंचार्ज शंकरगढ थाना नवीन कुमार सिंह ने कहा कि बस्ती में जो भी समस्या होगी, वह हर हाल में समाधान करायेंगे। आज की बैठक का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष राजीव चंदेल, मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा मंजू राज आदिवासी, मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा राहुल सिंह, मंडल अध्यक्ष छात्र मोर्चा महान सिंह, मंडल अध्यक्ष सोशल मीडिया मीनाक्षी आदिवासी, मंडल उपाध्यक्ष मनोरमा आदिवासी, जिलाध्यक्ष मधु आदिवासी, जिलाध्यक्ष दीपू सिंह, जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा धर्मेन्द्र सिंह, पूजा आदिवासी तहसील अध्यक्ष करछना, रानी आदिवासी ब्लाक अध्यक्ष शंकरगढ, श्याम सुंदर यादव ब्लाक उपाध्यक्ष करछना , ललिता आदिवासी, आशा आदिवासी, सूरज कली ने किया।

न्यूज झरोखा

जिला पंचायत अध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष की मौजूदगी में भाजपा में शामिल

जंघई। जिला पंचायत अध्यक्ष डाक्टर वीके सिंह एवं भारतीय जनता पार्टी गंगापार जिलाध्यक्ष कविता पटेल ने भाजपा मंडल अध्यक्ष जंघई संदीप गुप्ता के संस्तुति पर भारतीय जनता पार्टी मंडल जंघई के पांच विभिन्न दलों से जुड़े लोगों को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाया। जिसमें राजेश चौहान प्रधान बघेड़ी, रूपम भारतीया प्रधान नेवादा बेला, पूर्व बसपा कोवार्डिनेटर लालजी पासी महरछा, असफाक कुरैशी सरायममरेज, शशांक राकेश जंघई शामिल हैं। इन लोगों से यह अपेक्षा की गई है कि 2024 में मोदी जी व योगी जी के हाथों को मजबूत करेंगे और संगठन के कार्य में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे तथा संगठन को मजबूत करेंगे।

सपा नेता ने किया क्षेत्र का भ्रमण

कोरांव। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह ने शुक्रवार को क्षेत्र के विभिन्न गांवों का भ्रमण करते हुए जन पंचायत किया। अचानक हुई अतिवृष्टि से प्रभावित हुई फसलों के बारे मे लो वीसीगों से जानकारी लिया। इस अवसर पर नरेन्द्र सिंह ने कहा कि सीमा पर जवान और खेतों मे किसान ही भारत के असली शान हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को इन दोनों के सम्मान की चिंता रहती है। प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह ने यह भी कहा कि आज की हुकूमत मे केवल सत्तासीन होना ही सम्मान का विषय बनता जा रहा है, जबकि विभिन्न क्षेत्रों मे संघर्ष करने वालों के पहचान का संकट है। जबकि पूर्ववर्ती सपा सरकारों मे सदैव हर संघर्षवान का सम्मान होता रहा है उसमें भी जवान और किसान का सम्मान प्राथमिकता पर होता था। नरेन्द्र सिंह ने कहा सपा सभी का सम्मान करती है। नरेन्द्र सिंह के साथ सर्व श्री रामनिरंजन विश्वकर्मा, जग जीवन सिंह,चित्रसेन तिवारी, जगदीश सिंह, हरिप्रताप सिंह उर्फ पटवारी, रमजान अली ओम नारायण सहित कई लोग रहे।

रेल और देश को नही बेचने देंगे : मनोज पाण्डेय

रेल संगठन ने किया हड़ताल का समर्थन

कोरांव। संयुक्त किसान मोर्चा और संयुक्त ट्रेंड यूनियंस के आह्वान पर ग्रामीण भारत बंद और औधोगिक हड़ताल के समर्थन में कई दफ्तरों में हड़ताल व गंगापार, यमुनापार के ग्रामीण क्षेत्र को बंद करते हुए छात्र, किसान, नौजवान, मजदूर, कर्मचारी, अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता संयुक्त रूप से प्रयागराज, धरना स्थल, पत्थर गिरजाघर, सिविल लाइंस में इकट्ठे होकर हुए हड़ताली आम सभा की। हड़ताली आम सभा को सम्बोधित करते हुए इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन सम्बद्ध ऐक्टू, राष्ट्रीय अध्यक्ष- कॉम मनोज पाण्डेय ने कहा कि आज हम लोग जहाँ रेलवे के निजीकरण के खिलाफ और ओपीएस बहाली के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं सरकार की चाटुकार रेलवे में मान्यता प्राप्त फेडरेशन द्वारा कर्मचारियों से की जा रही धोखाधड़ी के खिलाफ भी लड़ाई लड़ रहे हैं, हम आम आवाम के सहयोग से रेल और देश को नही बेचने देंगें और पुरानी पेन्शन के लिए वोट पर चोट करके कर्मचारी विरोधी सरकार को सबक सिखाएंगे। ऑल इंडिया सेंट्रल कॉउंसिल ऑफ ट्रेंड यूनियंस ऐक्टू राष्ट्रीय सचिव डॉ कमल उसरी ने कहा कि* वर्तमान केंद्र व राज्य सरकार श्रमिक कानूनों सहित नागरिक अधिकारों को खत्म करके पुनः देश को राजा- प्रजा के दौर में ले जा रही है, आज का ग्रामीण भारत बंद व औधोगिक हड़ताल पूरी तरह से सफल रहा है, आज की बन्दी और हड़ताल निजीकरण के खिलाफ सार्वजनिक क्षेत्र, भारत के संविधान, लोकतंत्र और देश को बचाने के लिए जारी लड़ाई का हिस्सा है, आइसा प्रदेश उपाध्यक्ष इलाहाबाद विश्वविद्यालय शोध छात्र मनीष कुमार ने कहा आज छात्र विश्विद्यालय के कैम्पस से बाहर निकलकर किसानों मजदूरों के साथ हड़ताल में भागीदारी कर रहे हैं,प्रो अजय सिंह ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान को ऊँचाई पर ले जाने में वहां कार्यरत शिक्षक कर्मचारियों की बड़ी भूमिका होती है, आज शुआट्स का देश दुनिया मे जो सम्मान बढ़ा है, उसमें इन शिक्षकों कर्मचारियों का खून पसीना शामिल हैं, इसलिए हम सरकार और प्रबंधन से मांग करते है कि महीनों से वेतन भुगतान न होने से भुखमरी के कगार पर पहुंच चुके शिक्षक कर्मचारियों के बकाए वेतन का तत्काल भुगतान किया जाय। हड़ताली आम सभा मे मुख्य रूप से नार्थ सेंट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन से सैयद इरफात अली, शिवेन्द्र प्रताप सिंह, रामकिशोर, सिद्धार्थ, संदीप सिंह नार्थ सेंट्रल रेलवे ठेका वर्कर्स यूनियन से बबली, इफको फूलपुर ठेका मजदूर संघ से त्रिलोकी पटेल, त्रिभुवन यादव, जय प्रकाश प्रजापति, दैनिक वेतन विधुत कर्मचारी संघ से एस सी बहादुर, इलाहाबाद मोटर एंड ड्राइवर वर्कर्स यूनियन से फूलचंद, इलाहाबाद मेडिकल वर्कर्स यूनियन से श्याम, और शुआट्स संयुक्त मोर्चा से डा. अजय सिंह, डा. आर एन शुक्ला, डा. कैलाश यादव, डा. एन के गुप्त, प्रदीप मशिह, मुनेश्वर, डेविड मुन, अनमोल, अमलेनदु उपाध्याय इत्यादि लोग शामिल रहे, हड़ताली आम सभा के बाद विभिन्न मांगों का ज्ञापन महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश को संबोधित एसीपी सिविल लाइंस प्रयागराज श्री शेताब पाण्डेय जी को सौंपा गया, हड़ताली आम सभा की अध्यक्षता कॉम एस सी बहादुर और संचालन डॉ कमल उसरी ने किया।

मध्यकालीन इतिहास विभाग, सीएमपी के छात्रों ने जाना खुसरो बाग का इतिहास

प्रयागराज। सी. एम. पी. महाविद्यालय के मध्यकालीन इतिहास विभाग द्वारा शुक्रवार को स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को प्रयागराज स्थित मध्यकालीन इतिहास एवं स्थापत्य के प्रमुख स्थलों में सुविख्यात खुसरो बाग का भ्रमण कराया गया। विभाग के संयोजक डॉ.नीरज कुमार सिंह ने विद्यार्थियों के समक्ष शहजादा खुसरो का जीवन परिचय एवं बाग में निर्मित मकबरों के महत्व, एवं उसके स्थापत्य कला के विशेषताओं को छात्रों के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि पुस्तक से प्राप्त जानकारी को शैक्षणिक भ्रमण, विद्यार्थियों के समझ को और बेहतर बनाता है। इस कार्यक्रम में विभाग के सदस्य डॉ.शशिबाला,डॉ. मुनिद्र शुक्ला, डॉ. अखिलेश यादव के साथ-साथ शोध छात्र एवं 40 विद्यार्थी मौजूद रहें।

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय का सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने किया उद्घाटन

अखंड भारत संदेश

सीएम योगी बोले-सुशासन की पहली सीढ़ी है रूल्स ऑफ लॉ

प्रयागराज। शुक्रवार को डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय का उद्घाटन हुआ। उद्घाटन चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। कार्यक्रम महाराणा प्रताप चौराहा स्थित एएमए (इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन) कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हुआ। इसमें सुप्रीम कोर्ट के अलावा कई हाईकोर्ट के जस्टिस भी शामिल हुए। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस मनोज मिश्र इसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।यहां अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा, रप्रयागराज गंगा, यमुना और सरस्वती की इस त्रिवेणी का महासंगम है लेकिन इसके साथ ही यह धर्म, ज्ञान और न्याय की भी पवित्र त्रिवेणी है।र उन्होंने कहाकि कि मेरे पास जब भी न्यायिक क्षेत्र से जुड़े कोई भी प्रस्ताव आते हैं तो उसमें मैं तनिक भी देरी नहीं करता। कॉमन मैन का विश्वास न्यायिक व्यवस्था में है, हमें उसे विश्वास को बनाए रखने में योगदान देना चाहिए। यह बात मैं अपने अफसरों से भी कहता हूं। क्योंकि यदि लोकतंत्र में जनता का विश्वास डगमगाया तो उसे सड़कों पर उतरने में देर नहीं लगेगी। उस विश्वास को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हमें भारत के लोकतंत्र के स्तंभों को और मजबूत प्रदान करना चाहिए।आगे अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शासन की पहली शर्त रूल्स ऑफ लॉ है। बिना इसके किसी भी राज्य में सुशासन संभव नही है। सुशासन स्थापित करने में बार बेंच का विशेष योगदान होता है। उन्होंने कहा, किसी भी माध्यम से सरकार तक यदि जनता की समस्या पंहुचती है तो उसका मतलब की समस्या का समाधान होना ही है।इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अरुण भंसाली ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वह विधि विश्वविद्यालय के चांसलर भी हैं। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया है। सीजेआई चंद्रचूड़ कार्यक्रम समाप्त होने के बाद संगम जाएंगे। वहां मां गंगा की आरती करेंगे और फिर बड़े हनुमानजी का दर्शन भी करेंगे।

शिक्षा में बराबरी होगी तभी समाज में बराबरी संभव

जब हम शिक्षा में बराबरी की बात करेंगे तो जाहिर तभी समाज में भी बराबरी की बात संभव हो पाएगी ।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में वकील प्रैक्टिस करते हैं सभी राज्यों के हाई कोर्टों को यह ध्यान देना होगा कि हम हिंदी में भी ऑर्डर करें ताकि गांव में प्रैक्टिस कर रहे अधिवक्ताओं को भी इसका लाभ प्राप्त हो' कहा कि कानूनी शिक्षा में जो बदलाव आ रहे हैं उसे अमल करने के लिए विश्वविद्यालय को आगे आना होगा बोले, प्रयागराज से उनका काफी लगाव है जब मुंबई हाई कोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट में आए तो उन्होंने यहां सिर्फ प्रयागराज ही नहीं बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश की संस्कृति और सभ्यता को समझा उन्होंने समाज में वकीलों की उपयोगिता पर जोर देते हुए कहा कि वकील को सोशल माइंड होकर काम करना चाहिए ताकि हर किसी को सहूलियत हो।इसके पूर्व इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अरुण कुमार भंसाली, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा, यूपी के एडवोकेट जनरल अजय कुमार मिश्रा व राजेंद्र सिंह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. उषा टंडन ने भी संबोधित किया। इसमें बांबे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा, यूपी बार काउंसिल के चेयरमैन शिवप्रसाद गौड़, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी समेत अन्य मौजूद रहे।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने हिंदी पर दिया जोर

मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अपना संबोधन हिंदी में शुरू किया तो हॉल में बैठे लोगों ने तालियों से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1950 से 2024 तक सर्वोच्च न्यायालय ने 36 000 निर्णय का हिंदी में अनुवाद किया गया है। उन्होंने कहा कि यह पहल होनी चाहिए कि हिंदी में भी पढाई पर फोकस हो।

तत्कालीन सीएम मायावती ने की थी घोषणा

जो राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय का आज उद्घाटन होने जा रहा है उसकी घोषणा आज से 20 साल पहले हुई थी। आठ जनवरी 2003 को प्रयागराज के चंद्रशेखर आजाद पार्क स्थित पब्लिक लाइब्रेरी में प्रदेश विधानसभा की विशेष बैठक आयोजित की गई थी।उस समय भाजपा और बसपा की संयुक्त सरकार थी। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती प्रदेश की मुख्यमंत्री थीं। मायावती ने ही विधि विश्वविद्यालय खोलने की घोषणा की थी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे स्व. पंडित केशरी नाथ त्रिपाठी उस समय प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष रहे। सपा ने इसका बहिष्कार किया था। इस घोषणा के सात माह बाद यानी 29 अगस्त 2003 को भाजपा ने अपना समर्थन वापस ले लिया था और मायावती की सरकार गिर गई। यही कारण रहा कि यह विधि विश्वविद्यालय मूर्त रूप नहीं ले सका।

निर्माण पूरा होने तक बीबीएस कॉलेज में होगा संचालन

डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में अकादमिक और प्रशासनिक कार्य शुरू हो चुके हैं। झलवा में विश्वविद्यालय परिसर का निर्माण पूरा होने में अभी समय लगेगा, कार्य पूरा होने तक इसका संचालन फाफामऊ में स्थित बीबीएस इंजीनियरिंग कॉलेज में होगा। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में बीए-एलएलबी के 60 सीटों के सापेक्ष प्रवेश प्रक्रिया शुरू करा दी गई है। आने वाले दिनों में डिप्लोम, डिग्री के अन्य पाठ्यक्रम भी चलाए जाएंगे।

संयुक्त किसान मोर्चा व भारतीय किसान यूनियन के आवाहन पर ग्रामीण भारत हुआ बंद

अखंड भारत संदेश

एमएसपी पर गारंटी कानून नही बना तो किसान आगे की कार्रवाई पर फैसला लेंगे 17 फरवरी को किसान राजधानी सिसौली में होगा किसान आन्दोलन पर निर्णय

प्रयागराज। 2021 में कृषि कानूनों को निरस्त करने करने के बाद से सरकार ने नही ली किसानो की शुद्ध, एमएसपी गारंटी कानून समेत अन्य मागो पर रही मौन सरकार की यह नीति पूरी तरह से गलत तस्वीर को दशार्ता है। बजहा पावर हाउस पीपल गांव में ऐतिहासिक किसान महापंचायत में आज हजारों किसानों की भागीदारी देखी गई पिछले 5 दिनो से प्रयागराज प्रशासन की नीतियो के विरुद्ध अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन आज बैठक के बाद घोषणा किया गया कि, भारतीय किसान यूनियन ने प्रयागराज प्रशासन को 26 जनवरी, 2024 को अपने पत्र में उठाए गए सभी मांगों पर कार्रवाई की अपेक्षा किया परन्तु प्रयागराज प्रशासन ने आज तक समस्याओ का समाधान नही किया जिसको लेकर महापंचायत हुई तथा भारत बंद में जिसमें ट्रेड यूनियन समेत अनेको संगठन एक साथ आए। बजहा पावर हाउस पर आए जिलाधिकारी के प्रतिनिधि अधिकारियों से वातार्लाप में लेखपालो के फर्जी रिपोर्ट के आधार पर किसानो के जमीन पर अतिक्रमण किया जा रहा है। यदि इस समस्या का निराकरण नही हुआ तो हम बड़े आन्दोलन के लिए बाध्य होगे। 27 फरवरी तक धरना-प्रदर्शन स्थगित रहेगा तथा यूनाइटेड से किसानो की जमीनों को मुक्त कराने को लेकर कार्रवाई सुनिश्चित करने पर सहमति बना है। यदि युनाइटेड से किसानो की जमीन मुक्त नही कराई गई और प्रयागराज प्रशासन अपने किए गए वादे से मुकरेगा तो 28 फरवरी को किसान जिलाधिकारी कार्यालय की तरफ कूच करेगा। वातार्लाप में युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह,मध्यांचल अध्यक्ष शालिक राम यादव, जिला अध्यक्ष लल्लू पटेल,मंडल अध्यक्ष मोहम्मद शाकिर,तारिक अहमद, कौशाबी जिलाध्यक्ष चंदू तिवारी, जिला महासचिव जतन पाल समेत शुभम तिवारी,जतन, अपसर अली, नियाज आलम, जिला सलाहकार राजेंद्र कुमार,नियाज आलम,समेत धरना- प्रदर्शन में हजारों किसान उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद में में चले लाठी-डंडे, कई घायल

झूंसी। थाना क्षेत्र के शेरडीह गांव में शुक्रवार की सुबह जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जम कर लाठी-डंडे व ईंट पत्थर चले। जिसमे आधा दर्जन लोगो को चोटे आई। दोनो पक्ष की तहरीर पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ बलवा, मारपीट व जान से मारने की धमकी का मामला दर्ज किया है। शेरडीह निवासी शिव बहादुर यादव व जगदीश यादव के बीच एक जमीन के टुकड़े को लेकर काफी दिनों से विवाद चला आ रहा है। शुक्रवार की सुबह उसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों आमने सामने आ गए गली गलौज होने लगी मामला इस कदर बढ़ा की दोनों तरफ से लाडी-डंडा व ईंट-पत्थर चले। इस दौरान शिव बहादुर पक्ष से हरिश्चंद रतन सिंह व मुलायम घायल हो गए। उधर दूसरी ओर के जगदीश समेत तीन लोगों को भी चोंटे आई। पुलिस ने शिव बहादुर की तहरीर पर घूरन यादव, जगदीश यादव समेत नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

भारतीय संस्कृति से ओत- प्रोत विदेशी साधकों ने किया क्रियायोग ध्यान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र के अक्षयवट मार्ग पर स्थित क्रियायोग शिविर में विश्व के अनेकों देश से आए विदेशी साधकों के साथ कल्पवासियों ने क्रियायोग ध्यान की शिक्षा बड़े ही उत्साह पूर्वक से प्रति दिन लें रहे है। बता दे की भारतीय संस्कृति का परिचय कराने के लिए अक्षयवट मार्ग पर स्थित क्रियायोग का कैंप लगाया गया है जिसमें अनेकों देश से आए साधकों व माघ मेले में आए श्रद्धालुओं के द्वारा प्रतिदिन सुबह शाम क्रियायोग का अभ्यास किया जा रहा हैं। अखंड भारत संदेश से बातचीत के दौरान क्रियायोग गुरु ने भारतीय संस्कृति के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति को जीवन में अपना ने पर मनुष्य अज्ञानता से मुक्त हो जाता है। अज्ञानता से मुक्त होते ही मनुष्य को अनुभव होता है कि परमेश्वर के रूप में मनुष्य की सृष्टि हुई है। स्वामी जी ने यह भी बताया कि क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य में समझने की सामर्थ में विकास होता है मनुष्य सत्य व अहिंसा के मार्ग पर स्वयं चलने लगता है। ऐसी स्थिति में मनुष्य के अंदर राग द्वेष का रूपांतरण सच्चे प्रेम में हो जाता है तथा आपसी लड़ाई झगड़ा बंद हो जाते हैं। क्रियायोग के अभ्यास से मनुष्य की मन बुद्धि की शक्ति का विकास इस अस्तर का हो जाता है कि मनुष्य अपने से स्वतः सभी प्रकार की गरीबी से मुक्त हो जाता है।

अचला सप्तमी पर संगम स्नान को उमड़े भक्त

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शुक्रवार को अचला सप्तमी है। हर साल माघ महीने के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को पड़ने वाले इस अचला सप्तमी पर्व संगम स्नान का विशेष फल प्राप्त होता है। इसी दिन भगवान सूर्य का जन्म हुआ था। यही कारण है कि आज भोर से ही श्रद्धालु बड़ी संख्या में प्रयागराज के संगम नोज पर पहुंचने लगे थे।यहां सूर्योदय के दौरान ही अधिकतर श्रद्धालु संगम में पूर्व दिशा की तरफ खड़े होकर आस्था की डुबकी लगा रहे हैं और संगम के पवित्र जल से भगवान सूर्य को अर्घ्य दे रहे हैं। श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य को दीपदान किया।महिलाएं समूह में यहां विधि-विधान भगवान सूर्य की पूजा अर्चना की। गुरु के प्रति आभार प्रकट करने का यह विशेष दिन है। संगम क्षेत्र में शिष्य अपने गुरु को अचला भेंटकर उनका आशीर्वाद लिए। आज घना कोहरा होने के बावजूद भी श्रद्धालु पैदल संगम की तरफ बढ़ते दिखे। सुरक्षा की दृष्टि से यहां पुलिस फोर्स की तैनात की गई है।

अचला सप्तमी यानी सूर्य जयंती

शास्त्रों के अनुसार, अचला सप्तमी के दिन ही भगवान सूर्य ने अपने प्रकाश से सारे जागत को आलोकित किया था, इसीलिए इस सप्तमी को सूर्य जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। वैसे तो माघ का पूरा महीना ही पुण्य मास के नाम से जाना जाता है लेकिन इस सप्तमी को साल भर की सप्तमी से सर्वश्रेष्ठ माना गया है।इस दिन व्रत करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस विशेष दिन प्रयागराज के संगम में स्नान कर भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया जाए और दान किया जाय तो आयु, आरोग्य व संपत्ति की प्राप्ति होती है।

न्यूज झरोखा

करेली इलाके में नगर निगम की टीम पर पथराव

प्रयागराज। प्रयागराज के करेली इलाके में आज शुक्रवार को नगर निगम की टीम पर कुछ अराजक तत्वों द्वारा हमला कर दिया गया। इससे नगर निगम का एक कर्मचारी भी जख्मी हो गया। हमलावरों ने पथराव कर कैटिल वाहन का शीशा भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। नगर निगम के पशुधन विभाग की ओर से करेली थाने में तहरीर भी दी गई है।

हाथ में पत्थर लेकर दौड़ा लिया था इरफान : दरअसल, नगर निगम के पशुधन विभाग की टीम दोपहर में करेली के 60 फिट रोड पर टहल रही गाय को पकड़ने गई थी। लेकिन वहां इरफान नाम के एक युवक टीम को रोकने लगा। तभी वह वहां रखे बड़े पत्थर को उठाकर नगर निगम के कैटिल वाहन पर हमला बोल दिया। उसके साथ उसके कुछ साथी भी शामिल थे। नगर निगम कर्मी विकास सारस्वत जब तक अपने बचाव का प्रयास करता तब तक इरफान ने डंडे से उस पर हमला कर दिया। इससे वह विकास जख्मी हो गया। पुलिस फोटो और वीडियो के आधार पर जांच कर रही है।

गांव चलो अभियान के तहत योजनाओं की दी जानकारियां

प्रयागराज। प्रयागराज प्रधानमंत्री द्वारा गांव चलो अभियान के तहत प्रधानमंत्री योजना के क्या-क्या लाभ है और किस तरह से प्रधानमंत्री योजनाओं का लाभ लिया जा सकता है जिसको लेकर प्रयागराज भारतीय जनता पार्टी के मंडल के महामंत्री सतीश केसरवानी वा भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष विनय कुमार यादव के द्वारा खुल्दाबाद मंडल नया पुरवा भावपुर हिम्मतगंज बेनीगंज पुष्पांजलि नगर वा अन्य क्षेत्र मैं भाजपा कार्यकताओं द्वारा प्रधानमंत्री द्वारा संचालित तमाम योजनाओं की जानकारियां जन-जन तक पहुंचाई गई जिसमें लोगों को लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान भाजपा युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष विनय कुमार यादव महामंत्री सतीश केसरवानी, वीरेजी, शिवम प्रजापति,रोहित सोनकर वा पार्टी के अन्य कार्यकताओं ने जानकारियां पहुंचाई और इसका लाभ कैसे प्राप्त होगा उसकी जानकारियां भी लोगो को दिया गया।

खेमानंद स्कूल में धूमधाम से संपन्न हुआ विदाई समारोह

सोरांव। इलाके के शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी तथा माध्यमिक शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान वीकेपी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेमानंदपुर में हाई स्कूल और इंटर मीडिएट के परीक्षार्थियों का विदाई समारोह शुक्रवार को बड़े ही धूम धाम से आयोजित हुआ। समारोह का शुभारंभ देवी गीत व सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व सरस्वती गीत के साथ हुआ। जिसमें कक्षा 9वीं तथा 11वीं के विद्यार्थियों ने सभी छात्र व छात्राओं को रोली संग चंदन का तिलक लगाकर भावभीनी आंखों से विदाई की। तथा आपस में एक दूसरे का मुंह भी मीठा कराया गया। विद्यालय के प्रबंधिका संगीता पटेल व प्रधानाचार्य डॉक्टर राजेश कुमार पटेल की ओर से परीक्षार्थियों को परीक्षा संबंधी अनेक बाते भी बताई गई । इतना ही नही परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए आशीर्वाद सहित शुभकामनाएं भी दी गई। तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की गई। वहीं इस मौके पर मयंक पटेल, राकेश पटेल, अयोध्या प्रसाद पटेल, अमन पटेल, अनुराग सिंह, दिनेश कुमार, कोमल, अर्पिता, काजल,सौम्या सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

रोटरी इलाहाबाद मिडटाउन ने डी-डॉलरीकरण और डिजिटल भारत पर गोष्ठी का आयोजन किया

प्रयागराज। रोटरी इलाहाबाद मिडटाउन ने डी-डॉलरीकरण और डिजिटल भारत पर गोष्ठी का आयोजन शहर के एक प्रमुख होटल में किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. दीपाली पंत जोशी, वित्तीय सलाहकार व निदेशक, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (सेवानिवृत्त) ने अपने विचार करते हुए भारत की वित्तीय व डिजिटल स्थिरता पर प्रकाश डाला व गहन अध्ययन प्रस्तुत किया । अपने संबोधन में उन्होंने रिजर्व बैंक आफ इंडिया द्वारा पेटीएम बैंक पर जारी नए दिशा निर्देश पर विशेष बल दिया ।डॉ.पंत ने विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि ऑनलाइन और मोबाइल प्लेटफार्मों से वास्तविक समय में सरकारी सेवाएं उपलब्ध है। क्लाउड पर सभी नागरिक पात्रताओं की आसान पहुँच उपलब्ध है। व्यापार करने की आसानी में सुधार के लिए सरकारी सेवाओं को डिजिटल रूप में परिणत करना व एक सीमा से ऊपर वित्तीय लेनदेन को इलेक्ट्रॉनिक और कैशलेस बनाना डिजिटल भारत का लक्ष्य है।उन्होंने कहा कि आधुनिक अर्थव्यवस्था में रिजर्व करेंसी के तौर पर अमेरिकी करेंसी डॉलर पर निर्भरता घटाने को डी-डॉलराइजेशन कहा जाता है, जिसे अलग-अलग देश ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल करते हैं ।दुनिया के कई जानकारों का मानना है कि अमेरिकी करेंसी डॉलर के अलावा दुनिया में एक और करेंसी को रिजर्व करेंसी का स्टेटस मिलना चाहिए जिससे अमेरिकी डॉलर के दबदबे को चुनौती दी जा सके । भारतीय करेंसी रुपया रिजर्व करेंसी का स्टेटस हासिल करने में सबसे आगे है ।रोटरी इलाहाबाद मिडटाउन की अध्यक्ष अमृता अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया व क्लब के कार्यक्रमों की जानकारी दी। सचिव ऋतु कमल अग्रवाल ने आगामी कार्य योजनाओं की जानकारी दी। पूर्व अध्यक्ष विनायक टंडन ने सभा का संचालन किया। इस अवसर पर राधा सक्सेना, मधु अग्रवाल, शेफाली अग्रवाल, पंकज जैन ,सुधीर पोद्दार, शिरीष अग्रवाल इत्यादि उपस्थित रहे।

मानव जीवन अनमोल है यह ईश्वर का महान प्रसाद है : संत विज्ञानदेव

अखंड भारत संदेश

झूंसी। माघ मेले के सेक्टर 3 स्थित शिविर में श्री सद्गुरु सदाफल देव जी महाराज के 70वें परम निर्वाण दिवस के अवसर पंचदिवसीय जय स्वर्वेद कथा एवं 2100 कुंडीय वैदिक यज्ञानुष्ठान के तृतीय दिवस शुक्रवार को संत प्रवर स्वर वेद कथा में कहा कि मानव अपने विचारों से सुख और दुख का अनुभव करता है। हमारे विचार ही हमें सुखी और दुखी बनाते हैं।संत प्रवर ने कहा कि मानव जीवन अनमोल है। यह ईश्वर का महान प्रसाद है। हमारे भीतर अनंत की शक्ति है। अनंत आनंद का श्रोत है। आत्मा के अंदर अन्तरात्मा रूप से ईश्वर ही विराजमान है। आवश्यकता है आध्यामिक ज्ञान की , स्वर्वेद सद्ज्ञान की, विहंगम योग के ध्यान की, जिसके आलोक में एक साधक का जीवन सर्वोन्मुखी विकास होता है। छात्रों को संबोधित करते हुए संत प्रवर ने कहा युवा को आप उलट दोगे तो वायु हो जायेगा। जिसमें वायु के समान वेग है, उत्साह है, उमंग है, उल्लास है, वह ही युवा है। जो हताश नहीं है, जो निराश नहीं है, जो परिस्थितियों का दास नहीं है, बल्कि उनका स्वामी है, जो लक्ष्य के साथ जीता है, वही युवा है। जो सबके लिए उपयोगी है, जो लक्ष्य से भटकता नहीं है, वही युवा हैह्व। युवा देश का भविष्य ही नहीं, वह वर्तमान भी है। इसके पहले सुबह 7 से 9 बजे तक शारीरिक आरोग्यता के निमित्त आसन प्राणायाम एवं ध्यान का सत्र संचालित हुआ। 11 बजे से 2100 कुंडीय विश्व शांति वैदिक यज्ञानुष्ठान का शुभारंभ संत प्रवर विज्ञानदेव जी महाराज ने किया।

हैदराबाद में कौशांबी के किशोर की मौत, परिजनो ने शव लाकर किया अंतिम संस्कार

दवा फैक्ट्री में कार्य करने के दौरान 13 फरवरी रात्रि में केमिकल भरा सिलेंडर फट जाने से हुई मौत

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशांबी। सिराथू तहसील के बरीपुर ग्राम सभा निवासी एक किशोर रोजी-रोटी के सिलसिले में हैदराबाद गया था जहां दवा फैक्ट्री में केमिकल भरा सिलेंडर फट जाने से उसकी मौत हो गई सिलेंडर फटने से युवक की मौत की जानकारी जैसे ही परिवार के लोगों को मिली परिवार में कोहराम मच गया है और परिवार के लोग हैदराबाद पहुंच गए हैं सूचना पर पहुंचे परिजनों ने हैदराबाद से युवक का शव लेकर कौशांबी पहुंचे और अपने पैतृक गांव में युवक का शव लाकर अंतिम संस्कार कर दिया है। जानकारी के अनुसार श्याम बाबू पुत्र मिश्रीलाल निवासी ग्राम सभा बरीपुर थाना सैनी रोजी रोटी के सिलसिले में पिछले वर्ष दिसंबर माह में हैदरा बाद गया था वहां एक दवा फैक्ट्री में वह कार्य करता था रात ड्यूटी भी करता था कार्य करने के दौरान 13 फरवरी रात्रि में केमिकल भरा सिलेंडर फट गया जिसमे कई लोग मौत के आगोश में समा गए श्याम बाबू की उसी दर्दनाक हादसे में मौत हो गई।14 फरवरी को मृतक के पिता मिश्रीलाल को मौत की सूचना आई जिस पर परिवार में कोहराम मच गया ।परिजन हैदरा बाद पहुंचकर शव घर लाकर आज शुक्रवार को अंतिम संस्कार कर दिया है मृतक 3 भाइयों में सबसे छोटा था।

खुलेआम घूम रहे हैं हत्यारे गिरफ्तारी से कतरा रही चौकी पुलिस

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के भरवारी ग्रामीण बैरिया गांव में 2 फरवरी को हमले में घायल महिला सुग्गन देवी की इलाज के दौरान 11 फरवरी को मौत के बाद महिला के हत्यारो की गिरफ्तारी पुलिस नहीं कर सकी है खुलेआम हत्यारे घूम रहे हैं हत्यारे कहां है इस बात को मृतक महिला के परिजनों ने स्थानीय पुलिस को बताया भी लेकिन परिजनों के बताने के कई दिन बाद भी हत्यारो को गिरफ्तार करने का प्रयास थाना और चौकी पुलिस ने नहीं किया है हमले में मृतक महिला के पति बनारसी लाल और उसकी पुत्रवधू ननकी देवी भी गंभीर रूप से घायल है हमलावरों की गिरफ्तारी ने किए जाने से थाना और चौकी पुलिस के कारनामों पर सवाल खड़े हो रहे हैं महिला के हत्यारे खुलेआम घूम रहे हैं जिन्हें पुलिस गिरफ्तार नहीं करना चाहती है आखिर किस दबाव में महिला के हत्यारे को चौकी पुलिस पनाह दे रही है यह जन-जन की जुबान में है चौकी पुलिस और थाना पुलिस पूरी तरह से पुलिस वर्दी कलंकित करने पर लगी है महिला के हत्यारे को पनाह देने के मामले में परिजनों ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है इस मामले में पुलिस अधिकारियों ने उच्च स्तरीय जांच कराई तो जहां हत्यारो की तत्काल गिरफ्तारी होगी वही हत्यारो को संरक्षण देने वाली चौकी पुलिस पर कठोर कार्रवाई हो सकती है।

महाराजा बिजली पासी की उपेक्षा किए जाने से भाजपा नेताओं में दिखाई पड़ रही है दरार जिसका खामियाजा लोकसभा चुनाव में तय माना जा रहा है

चुनाव प्रचार में अंधे भाजपा नेताओ ने दलित महापुरुषों की शुरू की उपेक्षा

कौशाम्बी। सत्ता और पद के लोभी भाजपा नेताओ ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान दलित महापुरुषों की उपेक्षा अभी से शुरू कर दी है जिससे दलित समुदाय के लोगो मे जबरदस्त आक्रोश ब्याप्त है कौशांबी जिले के अंतर्गत सिराथू तहसील में महाराजा बिजली पासी उपरिगामी सेतु बोर्ड पर बिजली पासी की फोटो लगी है लेकिन लोकसभा चुनाव प्रचार में लगे भाजपा नेताओं को बिजली पासी की यह फोटो रास नही आई महाराजा बिजली पासी के नाम से नफरत रखने वाले भाजपा नेताओं ने महाराजा बिजली पासी की उपेक्षा करते हुए उनके चित्र के ऊपर भाजपा के चुनाव प्रचार का पोस्टर लगा दिया भाजपा नेताओ के इस कृत्य से महाराजा बिजली पासी का चित्र ढक गया जिससे दलित समुदाय के लोगो मे भाजपा के प्रति जबरदस्त आक्रोश पनपने लगा है भाजपा नेताओं के इस कृत्य पर दलित नेताओ ने कहा कि यह हमारे पूर्वजों का अपमान है महाराजा बिजली पासी का अपमान दलित समाज नही बर्दास्त करेगा समाज के लोगो ने कहा कि ऐसा कोई कार्य भाजपा नेता न करें कि हमारे पासी समाज को ठेस पहुंचे दलित नेताओ ने कहा कि महाराजा बिजली पासी के चित्र के ऊपर लगाए गए भाजपा पोस्टर के प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए तत्काल भाजपा का बैनर हटाया जाए नहीं तो पासी समाज भाजपा नेताओं का खुला विरोध करेगी रामचंद्र पासी बूंदा भाजपा बूथ अध्यक्ष ने कहा कि इस बात को संज्ञान में लेते हुए महाराजा बिजली पासी की उवेक्षा की बात भाजपा नेता भूल जाए वरना लोकसभा चुनाव में भाजपा नेताओं को मुंहतोड़ जबाव दिया जाएगा महाराजा बिजली पासी की उपेक्षा किए जाने से भाजपा नेताओ में दरार दिखाई पड़ रही है जिसका खामियाजा लोकसभा में तय माना जा रहा है।

बिजली विभाग कर्मचारियों के विरोध में युवक ने किया डीजल डालकर आत्मदाह करने का प्रयास

अखंड भारत संदेश

मामले को दबाने के लिए विद्युत विभाग के अधिकारियों ने पुलिस से साठगांठ कर पीड़ित युवक पर ही दर्ज कर दिया मुकदमा

कौशाम्बी। जिले में बिजली विभाग कर्मचारियों के विरोध में युवक ने डीजल डालकर आत्मदाह करने का प्रयास किया है,डीजल डालकर आत्मदाह करने के प्रयास का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है,जिसके बाद जेई ने युवक के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने की तहरीर थाने में दी है।पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है।सैनी कोतवाली क्षेत्र के ख्वाचकीमई गांव विधुत विभाग की टीम बिजली का पोल लगाने गई थी,बिजली विभाग के कार्य से युवक नाराज था और उसने पुलिस की मौजूदगी में डीजल डालकर आत्मदाह करने का प्रयास किया। डीजल डालने का वीडियो किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जिसके बाद जेई अजय कुमार ने पुलिस थाना में विद्युत कार्य में बाधा डालने वालो के खिलाफ तहरीर दी है। विद्युत विभाग ने तहरीर देकर कार्यवाई की मांग की है।मामले में सीओ सिराथू अवधेश विश्कर्मा ने बताया कि एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमे युवक डीजल डालकर आत्महत्या का प्रयास किया है,जिसके विरुद्ध जेई ने तहरीर दी है,मामला दर्ज कर कार्यवाही की जायेगी।

महामाया राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। महामाया राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर के उद्घाटन समारोह में प्राचार्य ,महामाया राजकीय महाविद्यालय ,कौशांबी द्वारा प्राथमिक विद्यालय यूसुफपुर रारा,ओसा मंझनपुर कौशांबी में किया गया। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ डॉ अरविन्द कुमार प्राचार्य महामाया राजकीय महाविद्यालय मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करके किया। इसके उपरांत सपना और राधिका के द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई । वाचिक स्वागत डॉ अजय कुमार ने किया। इसी कड़ी में डा सन्तोष कुमार द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया गया इसके उपरांत शिविरार्थियों द्वारा सामूहिक रूप से लक्ष्य गीत उठे समाज के लिए उठे-उठे प्रस्तुत किया गया इसी कड़ी में स्वागत गीत अभिषेक कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया गुलाबचंद जायसवाल ,प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय यूसुफपुर रारा ने इस अवसर पर कहा कि शिविरार्थियों द्वारा किए गए अपने कार्यों का स्वयं में मूल्यांकन करना चाहिए, जिससे कि उनके कार्य करने में और अधिक निपुणता हासिल हो सके इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ0 अरविन्द कुमार द्वारा बौद्धिक एवं शारीरिक श्रम हेतु शिविरार्थियों का आवाहन किया तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के मूल उद्देश्यों को समझाया एवं इससे प्रेरित होने के लिए शिविरार्थियों को जागरूक किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पवन कुमार द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर की रूपरेखा मुख्य अतिथि के सम्मुख प्रस्तुत की । राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्र की युवा शक्ति के व्यक्तित्व विकास हेतु युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित एक सक्रिय कार्यक्रम है। इसके गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी, समाज के लोगों के साथ मिलकर समाज के हित के कार्य करते है कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ0 अजय कुमार ने इस अवसर पर कहा कि शिविरार्थियों को अपने दायित्वों एवं उद्देश्य के प्रति सचेत रहना चाहिए। एनएसएस का एकमात्र उद्देश्य युवा छात्रों को सामुदायिक सेवा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए अनुभव प्रदान करना है। डॉ आनन्द कुमार ने राष्ट्रीय सेवा योजना के लाभ राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र/छात्राओं को सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों के प्रति प्रेरित कर समाज सेवा का अवसर प्रदान करती है और उनके व्यक्तित्व को निखारने एवं भविष्य में उन्हें कर्त्तव्यनिष्ठ, संवेदनशील तथा उपयोगी नागरिक के रूप में संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. अमित कुमार शुक्ल द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में महाविद्यालय से डॉ अनिल कुमार डॉ अजय कुमार, डॉ. नीलम बाजपेई ,डॉ. रीता दयाल ,डॉ. भावना केसरवानी, डॉ पवन कुमार, डॉ. आनन्द कुमार, डॉ. रमेश चंद्र, डॉ. अमित शुक्ल, डॉ. संतोष कुमार डॉ. शैलेश मालवीय अजय कुमार मानवेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारियों को लेकर डीएम, एसपी ने किया निरीक्षण

कौशाम्बी एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने कौशाम्बी जिले में यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा-2023 को सकुशल एवं शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराये जाने के लिए संबंधित परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया है।एसपी ने संबंधित को आवश्यक निर्देश दिए है।एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि यूपी पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा 17 एवं 18 फरवरी 2024 को 02 पालियों-प्रथम पाली प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 03 बजे से सायं 05 बजे तक आयोजित की जायेंगी। जनपद में कुल 17 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। उन्होंने सेक्टर एवम स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा पुलिस विभाग के कर्मियों को सौंपे गये दायित्वों एवं कार्यों की जानकारी देते हुए समय से परीक्षा केन्द्र पर पहुँचने तथा परीक्षा केन्द्र का भ्रमण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दियें है। उन्होंने सभी सीओ को भ्रमणशील रहकर शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दियें।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में तमन्ना पासी ने जीता गोल्ड मेडल

कौशांबी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के नंदौली गांव निवासी संतराम पासी की पुत्री तमन्ना पासी ने हापुड़ जनपद में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग में 800 मीटर की दौड़ में गोल्ड मेडल जीतकर परिवार एवं गांव के लोगों का नाम रोशन किया है। तमन्ना पासी गोल्ड मेडल जीतकर जैसे ही अपने घर पहुंची उसके बाद से लोग उनके घर पहुंचकर उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई एवं ढेर सारी शुभकामनाएं दे रहे हैं। इसी क्रम में बृहस्पतिवार के दिन गोपालपुर गांव निवासी महाराजा सुहेलदेव पासी संघ के अध्यक्ष घनश्याम पासी भी तमन्ना पासी के घर पहुंचकर ढेर सारी बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देकर उन्होंने कहा कि महाराजा सुहेलदेव पासी संगठन के सभी कार्यकर्ता तमन्ना पासी के लिए खेल - कूद में भविष्य बनाने में हर संभव मदद के लिए तैयार रहेगा। इस दौरान महाराज सुहेलदेव पासी संगठन के अध्यक्ष घनश्याम पासी, मोनू पासी, धनंजय पासी, वेद पाल सहित आदि लोग मौजूद रहे हैं।

बोर्ड परीक्षा सेमिनार का हुआ आयोजन परीक्षा में सफलता के बताएं मार्ग

हर्रायपुर कौशाम्बी एन डी कन्वेंट स्कूल एंड स्वर्गीय श्री समाधि महाराज बाबा सूरजपाल दास इंटर कॉलेज नसीरपुर, मूरतगंज में बोर्ड परीक्षा 2024 में अच्छे अंक लाने के लिए बोर्ड परीक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें प्रयागराज से चलकर आए हुए विषय विशेषज्ञ दशरथ पाल प्रीति श्रीवास्तव सीबी सिंह ने परीक्षा में सफलता के मार्ग बताएं तथा समय सारणी बनाकर सभी विषयों के लिए तैयारी करने को कहा इसके साथ ही फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा 11 के छात्र-छात्राओं ने कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं को लड्डू खिलाकर तथा गिफ्ट देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की ।इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक मिथिलेश कुमार सिंह व प्रधानाचार्य महेश कुमार ने बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य की कामनाएं देते हुए परीक्षा में टॉप करने को प्रेरित किया इस मौके पर उप प्रधानाचार्य अनीता कुमारी, रामनरेश यादव ,राधा रानी ,सरोज अग्रवाल ,सुनील सिंह ,अभिषेक साहू, ममता मिश्रा ,नंदिता पाल ,आकांक्षा पाल ,शिवानी यादव ,ज्योति सिंह, अनिल कुमार, मुन्नी देवी आदि लोग मौजूद रहे।

खंड शिक्षा अधिकारी को भेंट किया राम मंदिर

कौशाम्बी राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सरसवां अध्यक्ष नितिन यादव समावेशी की अध्यक्षता में शुक्रवार को नवागत खंड शिक्षा अधिकारी डा0 जवाहर लाल यादव को राम मंदिर भेंट किया गया। इसके साथ ही साथ राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सरसवां की टीम द्वारा नवागत खंड शिक्षा अधिकारी को माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर महामंत्री दीपक सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, प्रत्युष मिश्र कोषाध्यक्ष, संयुक्त मंत्री रोहित कुमार,अजीत सिह मीडिया प्रभारी सत्य प्रताप सिंह, दीपेंद्र यादव, कुलनंदन यादव, शशांक सिंह, राम सुरेश, पुष्पराज सिंह, संजय सिंह,राहुल कुमार ,पवन यादव सहित अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

भारत बंद के समर्थन में भाकिमसयू ने किया प्रदर्शन

पैदल मार्च निकाल एमएसपी कानून लागू करने की उठाई मांग

कौशाम्बी जिला मुख्यालय में भारतीय किसान मजदूर संयुक्त यूनियन ने शुक्रवार की दोपहर भारत बंद आवाहन के समर्थन में प्रदर्शन किया है। दर्जनों की संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचे महिला पुरुष किसानों ने एमएसपी कानून लागू किए जाने का ज्ञापन डीएम के जरिए राष्ट्रपति को भेजा है।एमएसपी कानून लागू किए जाने की मांग पर अड़ा किसान दिल्ली से लेकर गांव गली में अपने हक की आवाज उठाने लगा है। सरकार की उपेक्षा से नाराज किसानों ने शुक्रवार को भारत बन्द का आवाहन किया था इसके समर्थन में भारतीय किसान मजदूर संयुक्त यूनियन ने दर्जनों की संख्या में महिला पुरुष किसानों को लेकर मुख्यालय डायट मैदान से कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च निकाला।संगठन के लोगों ने नारे लगाकर भारत सरकार से एमएसपी कानून लागू किए जाने की मांग उठाई। किसानों का कहना है कि इस कानून के लागू होने के बाद उनकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। लेकिन भारत सरकार इस कानून को लेकर अब तक ढुलमुल रवैया अपनाए हुए हैं। किसान एमएसपी कानून लागू किए जाने की मांग को लेकर पिछले सत्र में भी 13 महीने तक प्रदर्शन कर चुके हैं। जो सरकार के आश्वासन के बाद खत्म हुआ था लेकिन अभी इस कानून को लागू नहीं किया जा सका है। जिसके चलते किसान एक बार फिर से आंदोलन की राह पर है।जिला अध्यक्ष नरेंद्र पांडे ने बताया यह प्रदर्शन केंद्रीय नेतृत्व के आवाहन पर किया है। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के जरिए शासन सत्ता को भेजा गया है। मांगों पर विचार न होने पर वह इस बार गांव-गांव से किसानों को सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करेंगे।

पूरामुफ्ती पब्लिक स्कूल एंड गर्ल्स कालेज में विदाई समारोह संपन्न

कौशांबी। प्रयागराज एवं कौशांबी बॉर्डर पर स्थित पूरामुफ्ती पब्लिक स्कूल एंड गर्ल्स इंटर मीडिएट कॉलेज के छात्र/छात्राओं का भव्य तरीके से विदाई समारोह आयोजित किया गया। विदाई समारोह के मुख्य अतिथि डॉक्टर प्रभु शंकर शुक्ला पूर्व सदस्य नॉर्दर्न रेलवे सलाहकार बोर्ड भारत सरकार द्वारा सर्वप्रथम विधा की देवी सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित किया गया इसके बाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉक्टर श्रवण दुबे जो फिजिक्स के प्रोफेसर एवं विद्यापीठ प्रयागराज फिजिक्स वाला के डीन हैं उन्होंने अध्यनरत छात्र/छात्राओं के बीच अपना अनुभव साझा किया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर चार्टर्ड अकाउंटेड अकाउंटेड शशि कुशवाहा जो आल इंडिया की चार्टेड अकाउंटेंट करियर काउंसलिंग की भारतीय स्तर की प्रोफेसर है वह भी कॉमर्स में अध्यनरत छात्र/छात्राओं को अपने जीवन को आगे कैसे बढ़ाएं उनके द्वारा विस्तार पूर्वक बताया गया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉ. संजीव श्रीवास्तव जो की इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी विभाग प्रमुख ने भी छात्र/छात्राओं को सिविल इंजीनियर के क्षेत्र में भविष्य बनाने के बारे जानकारी उपलब्ध कराई गई। विदाई समारोह कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा मनमोहक नृत्य, गायन, नाटक एवं अनेक प्रकार के रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिसको देखकर सभी लोगों का मन खुशी से गदगद हो गया है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधानाचार्य डॉक्टर श्वेता सिंह ने कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिवादन किया। संचालन आशीष द्विवेदी एवं नीता मोदनवाल द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कॉलेज लीडर पिंकी यादव, जितेंद्र वर्मा, म्यूजिक टीचर आशीष नवल, गेम टीचर जगदीश मौर्य, निर्मला पांडे, मंजीत यादव, ललित पाण्डेय, शैलेंद्र कुमार, राहुल वर्मा, नीलू त्रिपाठी, जेहरा, गौसिया रिजवाना, धर्म नारायण यादव सहित आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे हैं।

बिक्री संवर्धन कर्मचारियों द्वारा डीएम के माध्यम से सीएम से की मांग

कौशांबी। उत्तर प्रदेश में काम करने वाले सेल्स प्रमोशन कर्मचारी उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित करने के लिए मजबूर हैं क्योंकि सरकारी कार्यवाही के अभाव में सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों को उनके नियोक्ताओं द्वारा अपनाई जाने वाली विभिन्न अनुचित श्रम प्रथाओं का शिकार होना पड़ता है। बिक्री संवर्धन कर्मचारियों को नियोक्ता अवैध तरीके से स्थानांतरित कर रहे हैं। उनका कहना है कि अवैध रूप से उनका काम रोक रहे हैं और अवैध रूप से नौकरी से बर्खास्त कर रहे हैं और वे फर्जी मुद्दे बनाकर कर्मचारियों के वेतन और यात्रा खर्च का भुगतान करने से इनकार कर रहे हैं। नियोक्ता बिक्री संवर्धन कर्मचारी अधिनियम और अन्य श्रम कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं। नियमित रूप से कर्मचारियों को धमका रहे हैं और अपमानित कर रहे हैं। सरकारी अधिकारी अस्पतालों में सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों के काम को बंद करने के आदेश जारी कर रहे हैं और इस प्रकार उनके काम करने के अधिकार पर हमला करके उनके जीवन के अधिकार को खतरे में डाल रहे हैं।

मांगों की तरफ सेल्समैन कर्मचारी सीएम का ध्यान कर रहे आकर्षित

कौशांबी। चार श्रम संहिताओं को निरस्त करें और बिक्री संवर्धन कर्मचारी (सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1976 सहित मौजूदा श्रम कानूनों को जारी रखें और सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों की निश्चित अवधि रोजगार पर नियुक्ति की अनुमति न दें। सुनिश्चित करें कि नियोक्ताओं द्वारा सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों की कोई छंटनी, स्थानांतरण आदि न किया जाए। आवश्यक कदम उठाएं ताकि नियोक्ता सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों को नौकरी से न निकालें। सभी सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों को समय पर वेतन का पूरा भुगतान सुनिश्चित करें।बिक्री संवर्धन कर्मचारी (सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1978 तथा बिक्री संवर्धन कर्मचारी (सेवा की शर्ते) नियम, 1976 सुनिश्चित किया जाए। बिक्री संवर्धन कर्मचारी (सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1975 के प्रावधानों के तहत बिक्री संवर्धन कर्मचारियों के लिए वैधानिक कार्य नियम बनाएं। इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के माध्यम से निगरानी, ट्रैकिंग और गोपनीयता में घुसपैठ को रोके।

भरवारी रेलवे क्रासिंग भारी वाहन स्कूल बस के लिए हो गया बंद

भरवारी कौशाम्बी जिले के व्यस्ततम बाजार भरवारी कस्बे में रेलवे क्रासिंग को 31 जनवरी से रेलवे बंद करने जा रहा था,मीडिया में खबर आने के बाद और स्थानीय नेताओं के हस्तक्षेप के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने डीएम और रेलवे के उच्च अधिकारियों से इस संबंध में वार्ता की जिसके बाद कुछ दिनो के लिए भरवारी का रेलवे क्रासिंग नही बंद करने का आश्वासन डीएम और रेलवे के अधिकारियों ने दिया था,जिसके बाद रेलवे के फाटक को बंद नही किया जा सका था।भरवारी रेलवे क्रासिंग के बंद होने की जानकारी जब स्थानीय भाजपा नेताओं को हुई तो उन्होंने डीएम और रेलवे के उच्च अधिकारियों से वार्ता की,जिसके बाद रेलवे के उच्च अधिकारियों के आदेश के क्रम में भरवारी का रेलवे फाटक बंद नही किया गया था। वही गुरुवार की रात को रेलवे विभाग ने क्रेन की सहायता से रेलवे फाटक पर लगे हुए हाई गेज गार्डर को दस फीट तक नीचे करके लगा दिया।अब इस रेलवे क्रासिंग से दस फीट से नीचे के छोटे वाहन ही गुजर सकेंगे,बड़े वाहनों को अब हमेशा के लिए रोही बाईपास वाले ओवरब्रिज से होकर गुजरना होगा।भरवारी के रेलवे क्रासिंग पर शुक्रवार से स्कूल की बसे,ट्रक ,बड़े वाहन अब नही गुजर सकेंगे ,इस रेलवे क्रासिंग पर से अब मात्र दस फीट तक के ही वाहन गुजरेंगे।जिससे सबसे अधिक समस्या स्कूल जाने वाले बच्चो को होगी,वही अब स्कूल वालो को स्कूल की बसों को अलग अलग रूट बनाकर संचालित करना पड़ेगा।

17 फरवरी को आयोजित होने वाला तहसील दिवस अब 20 फरवरी को होगा आयोजित

कौशाम्बी जिलाधिकारी राजेश कुमार राय ने शासन के निदेर्शानुसार सभी उप जिलाधिकारियों को दिनांक 20 फरवरी 2024 को तहसील दिवस का आयोजन करने के निर्देश दिये हैं। दिनांक 17 फरवरी 2024 शनिवार को उ0प्र0 पुलिस भर्ती परीक्षा आयोजित की जा रहीं है तथा दिनांक 19 फरवरी 2024 को ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन होना है, जिससे अधिकांश अधिकारी उनकी व्यवस्थाओं में व्यस्त रहने के दृष्टिगत शासन द्वारा दिनांक 17 फरवरी 2024 शनिवार को आयोजित होने वाला तहसील दिवस दिनांक 20 फरवरी 2024 मंगलवार को आयोजित किये जाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं।

शौच के लिए निकला व्यक्ति हुआ गायब

कौशाम्बी मंझनपुर थाना क्षेत्र के तन्नापर गांव के रहने वाले गणेश लोधी राजपूत बृहस्पतिवार की सुबह 4 बजे शौच के लिए घर से निकला था, लेकिन काफी देर तक घर वापस नही आया। जिसके बाद परिजन लगातार उसकी तलाश कर रहे है परिजनों ने बताया कि गणेश का कुछ दिनों से दिमाग सही है। परिजनों लगातार गणेश लोधी राजपुत की तलाश कर रहे है। लेकिन कहीं सुराग नहीं लगा है

ड्रामेबाज महिला से परेशान पुलिस

कौशांबी। मंझनपुर थाना क्षेत्र के नारा चौकी में अजीबो गरीब मामला आया है जिसमे पति पत्नी का झगड़ा हुआ जिसमे पति द्वारा शराब पीकर पत्नी और पत्नी के घर वालो से मारपीट की जिसकी लिखित शिकायत महिला ने चौकी प्रभारी नारा को दी कि उसका पति आजम दारू का आदी है और उसने शराब ने नसे में उसे मारपीट और अपने भाई से भी झगड़ा लड़ाई की। शिकायतकर्ता सानिया ने तहरीर में बताया कि उसका पति आजम मारपीट करने के बाद नैहर फोन कर के उसके माता और भाई को बुलाया उनके साथ मारपीट की उसके बाद कार्यवाही कहने की मांग की और जब चौकी इंचार्ज द्वारा मामले की जांच कर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही करने की बात कही तो शिकायतकर्ता सानिया और उसके घर वालो ने चौकी इंचार्ज के सामने कहा कि हमे कोई कार्यवाही नहीं चाहिए न मुकदमा दर्ज करवाना है वीडियो में में साफ साफ दिख रहा है इसके बाद भी चौकी इंचार्ज नारा द्वारा मामले में 107/116 सीआरपीसी की कार्यवाही की गई ताकि फिर से लड़ाई झगड़ा न करें किन्तु महिलाओं ने चौकी इंचार्ज नारा पर पुलिस अधीक्षक के सामने तहरीर देकर फर्जी आरोप लगा दिया कि चौकी प्रभारी नारा द्वारा उनको गाली गलौज देकर भगा दिया और उनकी सुनवाई नहीं हुई।

राजनीतिक दलों के बाजीगर और चुनावी शतरंज

-ललित गर्ग -

2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर शतरंज की बिसात बिछ रही है। कुछ ही हफ्ते बचे हैं और भारतीय जनता पार्टी एवं सभी विपक्षी दलों ने शतरंज की चालों की तरह अपनी-अपनी चालें चल रहे है। भाजपा एवं इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में अब हर दिन चुनावी रणनीति को लेकर शतरंज की चालें चलते हुए एक दूसरे को मात देने का दौर चल रहा है, सब अपनी-अपनी व्यूह रचना बना रहे हैं। एक-एक मोहरे को ठीक जगह रख रहे हैं। कोई प्यादों से लड़ने की, तो कोई वजीर से लड़ने की रणनीति बना रहे हैं। कुछ प्यादे, वजीर बनने की फिराक में हैं। भाजपा ने स्वयं की 370 एवं उसके गठबंधन की 400 का लक्ष्य लेकर ही चालें चल रही है। इंडिया गठबंधन एवं विभिन्न राजनीतिक दल भी अपनी चालों को फीट करने में जुटें हैं। शतरंज की एक विशेषता है कि राजा कभी अकेले से शिकस्त नहीं खाता और यही हम आगामी चुनाव के बन रहे दृश्यों से महसूस कर रहे हैं।

राजनीति पल-पल नया आकार लेती है, इसलिये राजनीति में सही वक्त पर सही ढंग से इस्तेमाल करने का हुनर होना अपेक्षित होता है, जो अच्छा चल रहा है उसे बिगाड़ना आना चाहिए और जो बिगड़ रहा है उसे सुधारना आना चाहिए। इसी को कहते है राजनीति। इसी राजनीति के महारथि के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा की रणनीति तीक्ष्ण एवं प्रभावी बनकर सामने आ रही है। शतरंज के खेल की भांति राजनीति में भी कब किस घोड़े को और किस सैनिक को ऊंट को मारना है ताकि धमाकेदार चुनाव परिणाम तक पहुंचा जा सके, ये कला आनी चाहिए। इस कला में भाजपा का कोई मुकाबला नहीं है। वह राजनीतिक शतरंज की चालों में माहिर है और उसकी दृष्टि नये बन रहे राजनीतिक जोड़-तोड़ पर लगी है। भाजपा की एक चाल के बाद विरोधी कितनी चाल चल सकता है, भाजपा के घोड़े ऊंट सैनिक को मारने के लिए विपक्षी दल क्या चाले चल सकते हैं, इस बात का भाजपा को पहले से ज्ञान है, उसे यह भी पता है कि वह कितने प्यादों को खो सकता है। उसे बचाने का खेल भाजपा खेलने लगी है।

शतरंज में सफेद मोहरों की चाल पहले होती है और हर एक चाल की वरीयता मायने रखती है। ठीक इसी सोच पर भाजपा सभी चुनावी चालों में आगे रहना चाहती हैं। पर शुरूआत किस चाल से करें, जिसकी काट नहीं हो, यह भाजपा अच्छी तरह जानती हैं। तभी उसने प्रभावी एवं दूरगामी राजनीतिक से जुड़ी पहले चलने वाली चाले चलते हुए नीतीश कुमार और जयंत चौधरी जैसे नेताओं को इंडिया गठबंधन से छीन लिया गया है। कांग्रेस के अशोक चव्हान को भाजपा में शामिल करके राज्यसभा में भेजा दिया है। मायावती और चंद्रबाबू नायडू को विपक्ष में जाने से रोक दिया गया है। शिवसेना और राकांपा की दो फाड कर दी गयी है। श्रीराम मन्दिर उद्घाटन से

हिन्दू वोटों को प्रभावित किया गया है, वही पांच राजनीतिक रत्नों को ह्यभारत रत्नह्न सर्वोच्च पुरस्कार की घोषणा से आम चुनावों को प्रभावित करने का राजनीतिक कौशल दिखाते हुए शह-मात का खेल खेल रही है।

शतरंज के खेल की तरह राजनीति के खेल में भी घोड़ा ढाई घर आगे और ढाई घर पीछे चलकर मारता है, परिपक्व एवं मझे हुए राजनीतिक खिलाड़ियों एवं राजनीतिक दलों की यही चालें शुरू हो चुकी है, जिस कारण सभी विपक्षी दलों के सामने अपने अस्तित्व को बचाने का धर्म संकट है और प्रमुख दलों में भविष्य की राजनीतिक सत्ता को लेकर राजनीति की निष्ठायें पूरी तरह से धूमिल होती हुई भी दिखाई पड़ रही है। वर्तमान राजनीति सिद्धांतों पर नहीं रह गई है अब विभिन्न राजनीतिक दल येन केन प्रकरण पद और सत्ता हासिल करके सुख भोगना चाहते हैं और समाज में अपने रुतबे को कायम रखने की होड़ शुरू है। लेकिन सत्ता एवं स्वयं-स्वार्थ की इस होड़ के कारण नुकसान तो लोकतंत्र का ही हो रहा है। इसलिये आज सबकी आंखें और कान राजनीतिक दलों द्वारा प्रतिदिन लिये जाने वाले निर्णयों पर लगे हुए हैं। दोष किसी एक दल का नहीं, बल्कि उन सबका है जो चुनावी संग्राम को एक शतरंज की बिसात बना रखा है। चुनाव की घोषणा से पहले ही जो घटनाएं हो रही हैं वे शुभ का संकेत नहीं दे रही हैं। मतदाता भी धर्म संकट में है। उसके सामने अपना प्रतिनिधि चुनने का विकल्प नहीं होता। प्रत्याशियों में कोई योग्य नहीं हो तो मतदाता चयन में मजबूरी महसूस करते हैं। मत का प्रयोग न करें या न करने का कहें तो वह संविधान में प्रदत्त अधिकारों से वंचित होना/करना है, जो न्यायोचित नहीं है।

काले और सफेद मोहरे शतरंज की फर्श पर ही आमने-सामने नहीं होते, पूरा चुनावी परिदृश्य ऐसे ही काले और सफेद रंगों में बंटती जा रही है। कहीं यह अगड़ों-पिछड़ों के नाम से तो कहीं वर्ग और जाति के नाम से आमने-सामने हैं। इस बार की लड़ाई कई दलों के लिए आरपार की है। हृअभी नहीं तो कभी नहीं।ह्ल दिल्ली के सिंहासन को छूने व लालकिले पर ध्वज की डोरी पकड़ने के लिए सबके हाथों में खुजली आ रही है। उन्हें केवल अगले चुनाव की चिन्ता है, अगली पीढ़ी की नहीं। मतदाताओं के पवित्र मत को पाने के लिए पवित्र प्रयास की सीमा लांघ रहे हैं। यह त्रासदी बुरे लोगों की चीत्कार नहीं है, भले लोगों की चुप्पी है जिसका नतीजा राष्ट्र भुगतता रहा है/भुगतता रहेगा, जब तब भले लोग मुखर नहीं होगे। शतरंज के खेल की तरह शह और मात राजनीति में भी होती है, शतरंज के खेल में घोड़ा बहुत महत्वपूर्ण होता है। भाजपा ने ऐसे ही घोड़ों को अपने पक्ष में किया हैं, ये घोड़े चारों दिशाओं में से किसी एक में आवश्यकतानुसार ढ़ाई घर चल सकता है। यह आक्रमण में निर्णायक भूमिका निभाता है और सुरक्षा भी प्रदान करता है। इसकी चाल को समझना आवश्यक है। वैसे मंत्री या वजीर सबसे शक्तिशाली मोहरा होता है, क्योंकि यह आगे-पीछे, आरे-तिरछे, अगल-बगल अपनी मर्जी एवं सुविधा से, कई घरों तक आ-जा सकता है। वैसे खेल तो प्यादों से शुरू होता है। आगे वे ही बढ़ते हैं। आक्रमण एवं सुरक्षा, दोनों की रणनीति, उनकी चाल को ध्यान में रख कर बनाई जाती है। सबसे बड़ी बात है कि आगे बढ़ते हुए वे आवश्यकतानुसार मंत्री, घोड़ा, ऊँट, हाथी कुछ भी बन सकते हैं। उनके महत्व को कम करके नहीं देखा जा सकता। भाजपा के पास विपक्षी दलों की तुलना में ऐसे मंत्री, घोड़ा, ऊँट, हाथी सब है। जबकि विपक्षी दल अपनी कुचालों से इन सबको खोते जा रहे हैं। यह सही है कि सहयोगियों के गठबंधन छोड़ने की शुरूआत भी एनसीपी में पड़ी फूट के बाद से ही हो गई थी, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पलटना इस अर्थ में निर्णायक कहा जा सकता है कि वही गठबंधन के सूत्रधार की भूमिका निभा रहे थे। उन्हें अपनी ओर खींचकर भाजपा और एनडीए ने विपक्षी दलों के विशाल गठबंधन से बनते नैरेटिव को जबर्दस्त झटका दिया। इस झटके से उबरने की कोशिशें ढंग से शुरू होतीं, उससे पहले ही पश्चिम यूपी के जाट बहुल इलाके में दखल रखने वाले आरएलडी नेता जयंत चौधरी ने भी पाला बदल लिया। निश्चित रूप से इन सब शतरंजी चालों के पीछे एनडीए की तरफ से हो रहे सुनियोजित प्रयासों की भूमिका है। लेकिन इंडिया गठबंधन खेमा जिस तरह से बिखर रहा है, उसका पूरा श्रेय एनडीए की कोशिशों को नहीं दिया जा सकता। इसकी काफी जिम्मेदारी विपक्षी दलों के नेताओं को भी अपने सिर पर लेनी होगी। विपक्षी दलों का मंच इंडिया गठबंधन पिछले साल मुश्किलों के बीच जिस तरह से बना और फिर जितनी तेजी से इसने उम्मीदें जगानी शुरू कीं, उतनी ही तेजी से उन उम्मीदों को ध्वस्त भी करता जा रहा है। भाजपा की शतरंज पर बिछी बिसात का अहम हिस्सा नंबर से आगे जाकर पूरे देश में ऐसा माहौल बनाना है जिससे लोगों में उसके लिये अधिकतम स्वीकार्यता का भाव आये। मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिये राष्ट्रीय एकता, नया भारत, सशक्त भारत का सन्देश अहम है। राजनीतिक चारित्रिक उज्ज्वलता, ईमानदारी और नैतिकता शतरंज की चालें नहीं मानवीय मूल्य हैं। अतः नीति ही राजा, नीति ही मोहरें और नीति ही चालें हो।

(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92
फोनः 22727486, 9811051133

संपादक की कलम से

चुनावी चंदे के धंधे पर लगी सुप्रीम रोक

सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला देते हुए राजनीतिक दलों के लिए चंदा जुटाने की पुरानी इलेक्टोरल बांड स्कीम को अवैध करार देते हुए इसके जरिए चंदा लेने पर तत्काल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इलेक्टोरल बांड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व में गठित पांच जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया है। बेंच में जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल हैं।

अपने फैसले में चीफ जस्टिस ने कहा है कि पॉलीटिकल प्रोसेस में राजनीतिक दल अहम यूनिट होते हैं। पॉलिटिकल फंडिंग की जानकारी वह प्रक्रिया है जिससे मतदाता को वोट डालने के लिए सही चॉइस मिलती है। वोटर्स को चुनावी फंडिंग के बारे में जानने का अधिकार है। जिससे मतदान के लिए सही चयन होता है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजो की बेंच ने तीन दिनों तक लगातार सुनवाई करने के बाद 2 नवंबर 2023 को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

याचिकाकताओं एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) सहित अन्य ने केंद्र सरकार की चुनावी बॉन्ड योजना को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुये इन सभी ने इस योजना को लागू करने के लिए फाइनेंस एक्ट 2017 और फाइनेंस एक्ट 2016 में किए गए कई संशोधन को गलत बताया था। याचिकाकताओं का दावा है कि कि इससे राजनीतिक दलों को बिना जांच और टैक्स भरे फंडिंग मिल रही है। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2017 के बजट में चुनावी इलेक्टोरल बांड स्कीम को पेश किया था। जिसे 2 जनवरी 2018 को केंद्र सरकार ने नोटिफाई किया था। इस योजना को उसी समय चुनौती दी गई थी। लेकिन सुनवाई 2019 में शुरू हुई। 12 अप्रैल 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने सभी राजनीतिक दलों को निर्देश दिया था कि वह 30 मई 2019 तक एक लिफाफे में चुनावी बांड से जुड़ी सभी जानकारी चुनाव आयोग को दें। हालांकि कोर्ट ने उस समय इस योजना पर रोक नहीं लगाई थी।

बाद में दिसंबर 2019 में याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने इस योजना पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दिया था। इसमें मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया गया था कि किस तरह चुनावी बांड योजना पर चुनाव आयोग, रिजर्व बैंक की चिताओं को केंद्र सरकार ने दरकिनार कर दिया था। इस पर चुनाव आयोग ने भी अपनी नकारात्मक राय दी थी। चुनाव आयोग का मानना था कि चंदा देने वालों के नाम गुमनाम रखने से पता लगाना संभव नहीं होगा कि राजनीतिक दल ने धारा 29(बी)का उल्लंघन कर चंदा लिया है या नहीं। विदेशी चंदा लेने वाला कानून भी बेकार हो जाएगा। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक का मानना था कि इलेक्टोरल बांड मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा देगा। इसके जरिए ब्लैक मनी को व्हाइट करना संभव होगा। चुनाव आयोग व रिजर्व बैंक की आपत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट का फैसला अपने आप में ऐतिहासिक माना जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के पहले केंद्र सरकार ने 5 फरवरी को लोकसभा को बताया था कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के माध्यम से 30 किश्तों में 16,518 करोड़ रुपये के चुनावी बांड बेचे गए हैं। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी द्वारा लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में,वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा था कि भारतीय स्टेट बैंक से खरीदे गए चुनावी बांड (चरण 01 से चरण 30) का कुल मूल्य लगभग 16,518 करोड़ रुपये है। चौधरी ने कहा था कि केंद्र ने पहले 25 चरणों के लिए चुनावी बांड जारी करने और भुनाने के लिए एसबीआई को 8.57 करोड़ रुपये का कमीशन दिया है। इसके अलावा इसने अब तक सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल) को 1.90 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। चौधरी ने बताया था कि केंद्र सरकार ने 2 जनवरी 2018 को चुनावी बॉन्ड योजना को अधिसूचित किया था। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि स्वच्छ कर भुगतान किया गया पैसा उचित बैंकिंग चैनल के माध्यम से राजनीतिक फंडिंग की प्रणाली में आये। हालांकि दानदाताओं के नाम गुमनाम रहे और सूचना के अधिकार के दायरे से बाहर रहे। ये बांड विशेष रूप से राजनीतिक दलों को धन के योगदान के लिए जारी किए गए थे और इन्हें केवल भारतीय स्टेट बैंक की शाखाओं में ही खरीदा जा सकता था। इलेक्टोरल बॉन्ड से उसी पार्टी को चंदा लेने का अधिकार था जो जनप्रतिनिधित्व कानून-1951 रिपर्जेंटेशन आफ द पिपुल्स एक्ट की धारा 29 के तहत रजिस्टर्ड हो। जिसे लोकसभा या विधानसभा चुनाव में कम से कम 1 प्रतिशत वोट मिला हो।

भारत में चुनाव आयोग के समक्ष करीबन 1900 पार्टियाँ पंजीकृत हैं। इनमें सैकड़ों ऐसी पार्टियाँ हैं जिन्होंने कभी चुनाव ही नहीं लड़ा है। इससे यह साफ हो जाता है कि कुछ तो गड़बड़ जरूर है। देश के पंजीकृत राजनीतिक दलों को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 13 ए के तहत आयकर से छूट मिलती है। उनके लिये दान या चंदा लेने की कोई अधिकतम सीमा तय नहीं है। उनको सिर्फ उस लेन-देन का ब्योरा चुनाव आयोग के समक्ष पेश करना होता है जो 20 हजार या उससे ज्यादा हो। इससे कम की रकम का कोई हिसाब उसे नहीं देना होता है। इसी का लाभ उठाकर तमाम राजनीतिक दलों पर कालेधन को सफेद करने और चुनावों में बेहिसाब कालाधन खर्च करने के आरोप लगते रहे हैं। यहीं कारण है कि सैकड़ों दल चुनाव नहीं लड़ते लेकिन राजनैतिक दल के तौर पंजीकृत हैं।

देश को ऊंची उड़ान पर ले जाने को तैयार भारतीय युवा पीढ़ी !

सभी को यह बात ज्ञात है कि भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के 'स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट, 2023' के डेटा का यह अनुमान है कि भारत में एक साल में डेढ़ फीसदी से ज्यादा जनसंख्या बढ़ी है, जबकि अब चीन दूसरे नंबर पर है। जानकारी के अनुसार चीन की कुल आबादी 142 करोड़ 57 लाख है। आज भारत आबादी के मामले में दुनिया में सबसे बड़ा देश है लेकिन बहुत कम लोग यह जानते होंगे कि भारत की असली ताकत इसकी युवा शक्ति है। सच तो यह है कि आज विश्व का सबसे ज्यादा युवा देश भारत है। युवा देश होना हमारी ताकत भी है। किसी कवि ने युवाओं के बारे में क्या खूब कहा है कि -'सूरज का भी तेज लिए जो,हैं युवा हम वो शक्तिशाली, खण्ड नहीं कर सकता जिसके है उस अखण्ड देश की डाली,ओत-प्रोत हैं यौवन से हम, और नहीं है असमर्थ विकल्प, आह्वान कर युवा क्रांति का, लिया है परिश्रम का संकल्प...!' बहरहाल, जानकारी देना चाहूंगा कि 50% से अधिक जनसंख्या 25 वर्ष से कम आयु की और 65% से अधिक जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। भारत के पास पूरी दुनिया की जमीन का 2% हिस्सा है।चीन के पास 6.3% हिस्सा है, जबकि दुनिया की कुल आबादी के 18% लोग भारत में रहते हैं और लगभग 18% लोग चीन में रहते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत में 15 से 64 वर्ष के 68 प्रतिशत लोग हैं। यानी मोटे तौर पर भारत युवाओं का देश है। भारत में 15 से 24 साल के 25 करोड़ 40 लाख युवा हैं।दुनिया में सबसे ज्यादा युवा शक्ति भारत के पास है। जानकारी देना चाहूंगा कि चीन में 65 वर्ष से ज्यादा के 14 प्रतिशत लोग हैं लेकिन भारत में 65 वर्ष से ज्यादा लोगों का प्रतिशत 7 है। वास्तव में, चीन धीरे धीरे बूढ़ों का देश बन रहा है और भारत युवाओं

का। आंकड़े बताते हैं कि भारत में 25 प्रतिशत जनसंख्या 0-14 आयु वर्ग के बच्चों की है।18 प्रतिशत 10-19 साल की आयु के बच्चों की आबादी है। वहीं 10 से 24 साल के आयु वर्ग की जनसंख्या 26 प्रतिशत है। सबसे ज्यादा 68 प्रतिशत जनसंख्या 15 से 64 आयु वर्ग में हैं, जबकि जैसा कि ऊपर बता चुका हूं कि 65 से ऊपर के लोग सिर्फ 7 प्रतिशत ही हैं। यदि हम यहां आंकड़ों पर गौर करें तो हम पाएंगे कि देश की कुल आबादी में आधे से ज्यादा लोगों की उम्र 40 से कम है। देश में 2020 में 10 से 14 उम्र वर्ग के लोगों की तादाद सबसे ज्यादा थी। भारत 15 से 30 साल के बीच की उम्र के लोगों को युवा मानता है। इस लिहाज से देश की 27 फीसद आबादी युवा है। भारत करीब 25 करोड़ युवाओं का देश है। इस लिहाज से यह चीन से आगे हैं। चीन में 17 करोड़ युवा आबादी है। दुनिया में कुल आबादी की तादाद 121 करोड़ से ज?यादा है। चीन 15 से 35 साल के बीच की उम्र के लोगों को युवा कहता है। इस लिहाज से भारत की 35 फीसद आबादी युवा है। संयुक?त राष?ट्र 15 से 25 साल के बीच की उम्र के लोगों को युवा कहता है, इस लिहाज से भारत की 18 फीसद आबादी युवा है। जानकारी देना चाहूंगा कि पाक की कुल आबादी का तीन करोड़ ही युवा हैं। इस तरह भारत, पाकिस?तान से कहीं आगे है। पाकिस?तान में 48.2 फीसद ज?यादा युवा भारत में हैं। इस मामले में भारत चीन से आगे है चीन की 144 करोड़ की आबादी में 17 करोड़ युवा ही हैं। कुल युवा आबादी में 57 फीसद युवा सिर्फ 10 देशों में रहते हैं। इसमें भारत सबसे ऊपर है। संयुक्त राष्ट्र के विश्लेषण के अनुसार बिहार और उत्तर प्रदेश में युवा आबादी अधिक है। यूएनएफपीए की भारत की प्रतिनिधि और भूटान की निदेशक ने यह बात कही है कि , ह्यभारत की 1.4 अरब आबादी को 1.4 अरब अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए।' सच तो यह है कि भारत के युवा लैंगिक असमानता, गरीबी और पर्यावरणीय गिरावट जैसे महत्त्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने पिछले कुछ समय में ही शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता, आर्थिक विकास के साथ-साथ तकनीक में काफी प्रगति की है, लेकिन भारत को अपनी युवा शक्ति का फायदा उठाने के लिए नौकरियों और काम के अवसर बढ़ाने होंगे?। युवाओं की आबादी के मामले में भारत चीन व पाकिस्तान से आगे है। वास्तव में भारत के युवा देश होने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यहां आज कामकाजी लोगों की संख्या पाकिस्तान व चीन से ज्यादा है। कितनी अच्छी बात है कि आज देश की 68 प्रतिशत आबादी कामकाजी है। जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ष 2011 में 10-24 आयु वर्ग के 36.5 करोड़ लोग थे, जो 2024 में 38 करोड़ से भी अधिक होने का अनुमान है। वास्तव में इस कामकाजी आबादी का फायदा उनकी स्किल डिवेलपमेंट ट्रेनिंग पर ध्यान देकर उठाया जा सकता है। अधिक युवा आबादी के कारण हमारे यहां श्रम की प्रचुरता उपलब्ध है और श्रम की प्रचुरता का फायदा उठाकर हम अधिकाधिक आय का सृजन कर सकते हैं, जिससे देश आर्थिक विकास और अधिक तेज गति से कर सकता है। जनसंख्या एक संसाधन है। यह हम सभी को गौरवान्वित करता है कि दुनिया में सबसे ज्यादा 'यूथ पावर'(युवा शक्ति)आज हमारे देश भारत में है। दुनिया का हर पांचवां यंगस्टर यानी कि युवा भारतीय है। इन्हीं यंगस्टर्स(युवाओं)की बदौलत दुनिया की 13 बड़ी इकोनॉमीज(अर्थव्यवस्थाओं)में भारत की विकास दर बीते कुछ सालों में तीसरे नंबर पर रही है। वास्तव में

देश का युवा वर्ग वह बड़ा मानव संसाधन है, जिनका उपयोग शिक्षा, खेलकूद, विभिन्न सामाजिक, आर्थिक गतिविधियों के साथ ही राजनीति के क्षेत्र में उन्हें आगे लाकर किया जाना चाहिए। युवा यदि शिक्षा,खेल, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक गतिविधियों में बढ़ चढ़ कर काम करेंगे तो निश्चित ही देश व समाज तरक्की के पथ पर अग्रसर हो सकेगा। वास्तव में युवा बुजुर्ग पीढ़ी के अनुभवों व ज्ञान का लाभ लेकर देश व समाज को आगे बढ़ा सकते हैं। युवा ऊर्जा व शक्ति से भरपूर होते हैं और उनकी शक्ति व ऊर्जा से देश व समाज को एक नवीन दिशा मिल सकती है। यहां यह बात कहना गलत नहीं होगी कि युवा राजनीतिकों की विकसित और आधुनिक सोच के साथ देश की बुजुर्ग पीढ़ी के लंबे राजनीतिक अनुभव का उपयोग देश की शांति, एकता, अखंडता और संप्रभुता बनाए रखने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं।

अन्नदाता के प्रति क्रूरता क्यों?

- **राहुल लाल**

भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के अंतर्गत कमीशन फॉर एग्रीकल्चर कोस्ट्स एंड प्राइसेस अर्थात सीएसीपी ही एमएसपी तय करता है। एमएसपी का आशय है- न्यूनतम समर्थन मूल्य। न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी किसानों को दी जाने वाली एक गारंटी की तरह होती है,जिसमें तय किया जाता है कि बाजार में किसानों की फसल किस दाम पर बिकेगी। दरअसल, फसल की बुआई के दौरान ही फसल की कीमत तय कर दी जाती है।

केन्द्र सरकार द्वारा एक तरफ किसानों के प्रति उच्चस्तरीय संवेदनशीलता दिखाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह और कृषि वैज्ञानिक एम एस स्वामीनाथन को भारत रत्न प्रदान किया गया है, वहीं दूसरी ओर अन्नदाता के ऊपर स्वतन्त्र भारत में पहली बार ड्रोन से आंसू गैस के हमले किए जा रहे हैं। इन हमलों को किसानों के ऊपर एयर स्ट्राइक कहा जाए, तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। रुस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल द्वारा गाजा पर हमलों में ड्रोन हमलों की अंतरराष्ट्रीय आलोचना हुई है। वास्तव में अन्नदाता के उपर ड्रोन से आंसू गैस के हमलों को मानवता के अपराध के रूप में देखा जाएगा। किसान जब चंडीगढ़ में शान्तिपूर्ण तरीकों से सरकार के साथ बातचीत कर रहे थे, तो दूसरी तरफ पुलिस ने जगह-जगह हाईवे जाम करने शुरू कर दिए थे। बड़े-बड़े कांक्रीट के बोल्डर रखे गए। बैरिकेड और कांटों की दीवार बनाई गई। शंभू बॉर्डर पर अन्नदाता पर ड्रोन हमलों ने कई सवाल खड़े किए हैं। अपने देश में क्या कोई पुलिस या अर्द्धसैनिक बल अन्नदाता पर हवाई हमले कर सकती है? क्या निगरानी के अलावा किसी तरह के हमले के लिए ड्रोन का इस्तेमाल युद्ध की श्रेणी में नहीं आता है? किस कानून के तहत ड्रोन का इस्तेमाल हमले के लिए किया जाता है? क्या आने वाले दिनों में हर जन आंदोलन, सरकार विरोधी प्रदर्शन को ड्रोन हमलों से गुजरना पड़ेगा?

माननीय प्रधानमंत्री कहां तो ड्रोन का प्रयोग कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन के लिए कर रहे थे ,लेकिन अंततः ड्रोन का प्रयोग अन्नदाता को कुचलने के लिए हो रहा है। प्रदर्शनकारी किसानों की सबसे बड़ी मांग एमएसपी यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गांरटी की है। किसान एमएसपी पर स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने की मांग कर रहे हैं। किसानों की यह मांग काफी स्वाभाविक भी है, जब सरकार एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न दे रही है, तो आखिर उनके एमएसपी पर सबसे महत्वपूर्ण सिफारिश को क्यों नहीं मानती है?

2011 में गुजरात मुख्यमंत्री और एक कार्य समूह के अध्यक्ष के रूप में नरेंद्र मोदी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को एक रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें कहा गया था कि 'किसानों के हितों की रक्षा के लिए हमें कानूनी प्रावधानों के माध्यम से सुनिश्चित करना होगा कि किसान और व्यापारी के बीच कोई भी लेन-देन एमएसपी से नीचे नहीं होना चाहिए।' 2014 के लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान कई भाषणों और चुनावी रैलियों में, मोदीजी ने वादा किया था कि सभी फसलें एमएसपी पर खरीदी जाएगी,जो स्वामीनाथन समिति के फॉमूर्ले के अनुसार सभी लागतों और 50 फीसदी मार्जिन को कवर करेगी। परन्तु आज तक न तो एमएसपी की कोई गांरटी है और न ही यह सी-2+50 फीसदी के स्वामीनाथन फॉमूर्ले पर आधारित है। वहीं 13 फरवरी को राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस किसानों को फसलों पर स्वामीनाथन कमीशन के अनुसार, एमएसपी की कानूनी गांरटी देगी। उन्होंने कहा कि इंडिया एलायंस की सरकार बनेगी तो हम स्वामीनाथन की रिपोर्ट पर अमल करेंगे।

विचार

संक्रमण काल से गुजरती माध्यमिक शिक्षा

सभापति तिवारी

आज प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा संक्रमण काल से गुजर रही है।खासकर सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों की स्थिति दिन प्रतिदिन बदतर स्थिति में होती जा रही है।भौतिक संसाधनों से जूझते विद्यालय, अध्यापकों की भारी कमी,तदर्थवाद की समस्या,सुविधाओं का अभाव, जर्जर अवस्था को प्राप्त अधिकांश माध्यमिक विद्यालय, प्रबंधतंत्र की उपेक्षा,कर्मचारियों का अभाव जैसी अनेकों समस्याओं ने माध्यमिक शिक्षा को पंगु बना दिया है।शिक्षकों, कर्मचारियों को पहले से प्राप्त सुविधाओं में कमी,मसलन पेंशन,बीमा, आदि की समाप्ति ने उन्हें भविष्य की कुंठा में डाल दिया है।नए बने उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम 2023 ने शिक्षकों की सेवा सुरक्षा की धारा -21 भी छीन ली।प्रधानाचार्य के पद पर तदर्थ पदोन्नति की सुविधा भी खत्म हो गयी।ऐडेड माध्यमिक विद्यालयों की सेवा सुरक्षा एक बार फिर निजी प्रबंधतंत्रों के हवाले कर दी गयी।ऐडेड माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाचार्यो के चयन की पुरानी प्रक्रिया को हटाकर शिक्षकों के चयन की भांति कर दी गयी।2090 तदर्थ शिक्षक सरकार की उदासीनता व संवेदनहीनता के चलते बेरोजगार की श्रेणी में चले गये। सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, डेटा फीडिंग,बोर्ड परीक्षा के कुशल संचालन आदि में धनाभाव के चलते अनेकों परेशानियां होती हैं। प्रधानाचार्य व प्रधानाचायार्यों को अपने वेतन से खर्च करना पड़ता है।कम्प्यूटर आधारित तमाम काम बिना कुशल कम्प्यूटर शिक्षक के करना मुश्किल होता है।बाहरी संस्थानों से काम करवाने पर अत्यधिक व्यय भी होता है और गोपनीयता का भी संकट खड़ा होता है।प्रदेश के 4512 माध्यमिक विद्यालयों में आधे से अधिक नियमित प्रधानाचार्य ही नहीं हैं।कहीं एकल परिचालन है तो कहीं पर रिसीवर बैठा है।प्रबंधतंत्र का विवाद भी विद्यालयों की गुणवत्ता को प्रभावित करता है।शिक्षा विभाग के अधिकारी समस्याओं को सुलझाने के बजाय उन्हें उलझा कर रखते हैं ताकि उनका दरबार सजा रहे।यद्यपि सरकार ने सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 1 से लेकर 8 तक की शिक्षा को मुफ्त कर रखा है पर इन बच्चों पर आने वाले बिजली,पानी,परीक्षा,चिकित्सा आदि जैसे जरूरी खर्च हेतु किसी अनुदान की न तो कोई व्यवस्था की है और न ही कोई समाधान दिया है।कक्षा 9 व 11 के रेजिस्ट्रेशन,10 व 12 के बोर्ड परीक्षा के भारी भरकम शुल्क को सरकार अपने खाते में जमा करा लेती है।विद्यालयों को कोई धनराशि नहीं मिलती है।इससे बड़ा मजाक क्या होगा कि कक्षा 10 व 12 के बोर्ड परीक्षा शुल्क में से मात्र 25 पैसे विद्यालय को मिलता है।प्रवेश,पढ़ाई और परीक्षा शिक्षा के तीन महत्वपूर्ण आयाम होते हैं।यू पी बोर्ड के अधिकांश माध्यमिक विद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं।जहाँ शैक्षिक सत्र की शुरूआत अप्रैल माह में बहुत कम प्रवेश होते हैं।प्रवेश की प्रक्रिया जुलाई/अगस्त तक चलती रहती है।फिर रेजिस्ट्रेशन फॉर्म व बोर्ड परीक्षा के फॉर्म का भरा जाना शुरू हो जाता है, जो अक्टूबर,नवंबर तक चलता रहता है।फिर अर्धवार्षिक परीक्षा, जनवरी में वार्षिक गृह परीक्षा, प्री बोर्ड परीक्षा, फिर फरवरी में बोर्ड परीक्षा, फिर उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन आदि कार्यों में शिक्षक व्यस्त हो जाता है।पढ़ाई के घंटे सीमित हो जाते हैं।बीच बीच में तमाम सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन भी विद्यालयों को करने पड़ते हैं जिसमें अत्यधिक श्रम व धन व्यय होता है।माध्यमिक शिक्षा में बढ़ते वित्तविहीन विद्यालयों की संख्या ने राजकीय व सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों की स्थिति को और बदतर बना दिया है।छात्र,छात्राओं की बड़ी संख्या इन विद्यालयों से पलायन करके वित्तविहीन विद्यालयों की तरफ भाग रही है।कारण अनेक हैं।माध्यमिक विद्यालयों में जब 1986 से शिक्षकों के पद सृजन समाप्त किये गये तब से नवीन कक्षाओं की मान्यता लेना भी समाप्त हो गया।आज प्रदेश भर में जहाँ कुल 4512 ऐडेड माध्यमिक विद्यालय हैं वही वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों की संख्या 21 हजार तक पहुंच चुकी है।वहाँ भी शिक्षकों की कोई सेवा सुरक्षा नहीं है।एक समय था जब शिक्षकों की बात सदन में रखने के लिए शिक्षक प्रतिनिधि चुने जाते थे जो गैर राजनीतिक होते थे।परंतु अब वे भी अब राजनीतिक दलों के बैनर पर चुने जा रहे हैं जो अब सत्ता की हाँ में हाँ मिलाने पर विवश हैं।सरकार की अच्छी योजनाएं भी भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों की बजह से परवान नहीं चढ़ पाती हैं।शिक्षक संगठनों की भूमिका भी अब चुनाव लड़ने तक सीमित हो गयी है।दलाली में लिप्त शिक्षक नेता भ्रष्ट अधिकारियों के ही पोषक बने हैं।

नई शिक्षा नीति से कुछ उम्मीदें तो हैं पर वह भी कब धरातल आएगी और भविष्य में उसका क्या हश्र होगा अभी देखा जाना बाकी है।व्यावसायिक शिक्षा का मॉडल पहले ही फेल हो चुका है।सरकार अगर माध्यमिक शिक्षा को पटरी पर लाना चाहती है तो उसे खाली पड़े शिक्षकों के पद तत्काल भरने होंगें।वर्षों से बंद पड़ी चयन प्रक्रिया को नियमित करना होगा।प्रत्येक माध्यमिक विद्यालयों को बिजली,पानी,फर्नीचर आदि की व्यवस्था के लिए प्रतिवर्ष एक निश्चित धनराशि अनुदान के रूप में देनी होगी।प्रत्येक विद्यालय में कम से कम दो कम्प्यूटर शिक्षकों की नियुक्ति करनी होगी।शिक्षक अभिभावक संघ की नियमावली में संशोधन करके विद्यालय प्रशासन को शुल्क निर्धारण करने की छूट देनी होगी।शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यो से मुक्त रखना होगा।सेवा शर्तों में सुधार करके सरकार व शिक्षकों की जबाबदेही तय करनी होगी।शिक्षक संगठनों से वार्ता करके शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के उपाय ढूंढने होंगें।शिक्षा को माफियाओं के चंगुल से मुक्त करना होगा।जो कठिन तो है पर मुश्किल नहीं।ईमानदार व कर्तव्यनिष्ठ शिक्षाधिकारियों की नियुक्ति करनी होगी।भ्रष्ट अधिकारियों को चिन्हित करके उन्हें दंडित करना होगा ताकि औरों को संदेश मिल सके।काम मुश्किल नहीं पर सरकार की इच्छा शक्ति पर निर्भर करता है।उम्मीदें तो हैं सभी समस्याओं के समाधान की।पर पहल तो सरकार को ही करनी होगी।

पुलिस ने वांछित दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर वारंटी/वांछित की गिरफ्तारी को जारी अभियान में प्रभारी निरीक्षक मानिकपुर श्रीमती रीता सिंह की अगुवाई में वरिष्ठ दरोगा रामवीर सिंह की टीम ने घर में घुसकर मारपीट व गाली-गलौज तथा जान से मारने की धमकी मामले में वांछित राजेश कुमार द्विवेदी पुत्र शिवसागर निवासी बाल्मीकनगर को गिरफ्तार किया। टीम में वरिष्ठ दरोगा रामवीर सिंह, सिपाही धीरेन्द्र किशोर व लोकेन्द्र सिंह शामिल रहे।

17-18 फरवरी को खनिज लदे वाहन नहीं चलेंगे

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने आम जनता से कहा कि 17-18 फरवरी को उप्र पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के चलते जिले में 16 फरवरी की शाम छह बजे से 18 फरवरी तक सभी प्रकार के खनिज पदार्थों का ढुलान करने वाले वाहनों का आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे में कोई भी खनिज सामग्री लदा वाहन नहीं गुजरेगा।

28 तक जमा करें छात्रवृत्ति परीक्षा फार्म

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। राजकीय बालिका इंटर कालेज कर्वी की प्रधानाचार्य ने बताया कि मंजूर छात्रवृत्ति परीक्षा 2024 में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं को कक्षा आठ की परीक्षा में संस्थागत व व्यक्तिगत रूप में शामिल होने वाले छात्र-छात्रा की आयु 30 जून 2024 को 15 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। प्रति परीक्षार्थी परीक्षा शुल्क 35 रुपये की दर से शिक्षा खेल कला एवं संस्कृत, सामान्य शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, विभागीय परीक्षाओं का शुल्क में जमाकर मूल चालान की प्रति आवेदन के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। अवेदन फार्म राजकीय बालिका इंटर कर्वी में मिलेगा। परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक आवेदन शुल्क कोषागार में चालान से 28 फरवरी तक जमा करें। आवेदन पत्र कार्यालय राजकीय बालिका इंटर कालेज कर्वी में जमा करने की तिथि 30 मार्च 2024 है। निर्धारित तिथि बाद मिलने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।

मामा-भांजी की ट्रक की ठोकर से मौत

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। झांसी-मिजार्पुर राजमार्ग में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को ठोकर मार दी। बाइक सवार मामा-भांजी की मृत्यु हो गई। एक घायल महिला को प्रयागराज रेफर किया। पुलिस ने शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को मर्चरी भेजा है।

ये हादसा रैपुरा थाना क्षेत्र में हुआ। बताया गया कि बाइक चालक रैपुरा निवासी छोटू अपनी बहन ममता व पुत्री रिया को लेकर गांव जा रहा था। रामटेकवा के पास पहुंचते ही पीछे से ट्रक ने ठोकर मार दी। छोटू व रिया की मौके पर मौत हो गई। ममता गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे डॉक्टरों ने प्रयागराज रेफर किया। पुलिस ने परिजनों को फोन से सूचना दी। थाना प्रभारी शैलेंद्र पांडे ने बताया कि दो लोगों की मौके पर मृत्यु हुई है। घायल को प्रयागराज भेजा है। हादसे को अंजाम देने वाले ट्रक की खोज की जा रही है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

जननायक के बतौर उभरे हैं पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र, सत्ता पक्ष के नेताओं को ले डूबेगी संवेदनहीनता

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बुन्देलखण्ड महोत्सव दौरान बम ब्लास्ट से चार छात्रों की दर्दनाक मृत्यु के मामले में सत्ता पक्ष के किसी नेता ने शोक संवेदना जताने की जरूरत नहीं समझी। विपक्ष के भी लोगों ने संवेदना जताने में कोई रुचि नहीं ली। सत्ता पक्ष के पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र अवश्य जननायक के बतौर उभरकर सामने आये हैं।

शुक्रवार को बम विस्फोट से चार छात्रों की मौत के दो दिन बाद भी सत्ता पक्ष के सांसद आरके सिंह पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, नगर पालिका अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता व डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल व सत्ता पक्ष के जिलाध्यक्ष लवकुश चतुवेर्दी आदि के शोक संवेदना के दो शब्द भी मुंह से नहीं फूटे। ये सत्ता पक्ष की असंवेदनशीलता ही कही जायेगी। जिला मुख्यालय में चार बच्चों की दर्दनाक मौत के मामले में संवेदनहीनता ने आम जनता को चैंका दिया है। लोगों ने कहा कि जिस तरह से इन नेताओं ने संवेदनहीनता दिखाई है, उससे आगामी लोकसभा चुनाव में किस मुंह से जनता के सामने जायेंगे। महज सत्ता पक्ष के पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र इस मामले में जननायक के बतौर उभरकर सामने आये हैं। वे इन दिनों जिस ढंग से आम जनता के मुद्दे उठा रहे हैं, उससे जाहिर है कि उनमें अब काफी संवेदनशीलता आ गई है। वे अब पहले जैसे नेता नहीं रहे, अब भैरों प्रसाद मिश्र जननायक के बतौर उभरकर सामने आये हैं।

पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र काफी दिनों से सत्ता पक्ष में रहते हुए भी डीएम-एसपी की रहनुमाई न कर आम जनता की रहनुमाई कर रहे हैं। उससे साफ है कि उनकी जनता में खासी पकड मजबूत होती जा रही है। यहां तक कि सपा के वरिष्ठ नेता भी मानते हैं कि भैरों प्रसाद मिश्र जननेता के बतौर उभरकर आये हैं।

बम ब्लास्ट से मृत छात्रों के परिजनों में है हाहाकार, पहले ही खत्म हो गये थे बच्चे, प्रयागराज भेजने का किया नाटक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बुंदेलखंड गौरव महोत्सव में चार बच्चों की मौत पर परिजनों ने जिले के अधिकारियों को दोषी करार दिया है। विस्फोटक पदार्थ स्थल पर सुरक्षा के प्रबंध नहीं थे। ऐसे में बच्चों की जान चली गई। दोषियों को हर हाल में सजा मिलनी चाहिए।

शुक्रवार को मृतक छात्र पारस के पिता कंसराज शर्मा, प्रभात के पिता धर्मेंद्र सिंह समेत परिजनों ने कहा कि जिस स्थान पर पटाखे रखे थे, वहां सुरक्षा के इंतजाम नहीं थे। ऐसे में बच्चों की मौत के जिम्मेदारों को जेल भेजा जाये। मृतक के रिश्तेदारों ने कहा कि घटना के बाद बच्चों बाबत पुलिस सही जानकारी नहीं दे रही थी। अस्पताल में किसी को जाने नहीं दे रही थी। ऐसा होने पर तत्काल शिनाख्त हो जाती।

परिजन पोस्टमॉर्टम से लेकर घर में दिनभर रोते- बिलखते रहे। पड़ोसी ढांढस देते रहे। चारों बच्चों के परिजनों में कोहराम मचा है। परिजनों ने कहा कि बच्चे उनके बम ब्लास्ट से तत्काल खत्म हो गये थे। जिलाधिकारी ने सीएमएस पर दबाव डालकर उन्हें प्रयागराज रेफर करवाया है, ताकि यहां कोई बडा आन्दोलन न हो सके। मृतक पारस की मां शिवकन्या, मोहित की मां शीलू समेत प्रभात व यश के परिजनों में हाहाकार है।

चित्रकूट बाल विद्यालय, संत थामस, जीडीएनडी के छात्र थे। सीआईसी परिसर में बाल विद्यालय है। मृतक मोहित कक्षा छह में पढ़ता था। जिस मैदान में घटना हुई, उसी मैदान में साथियों के साथ खेलता था, वहीं मौत हुई। मृतक पारस कक्षा छह का छात्र था। जीडीएनडी कालेज में पढ़ता था। प्रभात कक्षा चार व यश कक्षा पांच के छात्र थे। दोनो संत थामस में पढ़ते थे। विद्यालय परिवार ने शोक जताया।

साख बचाने को सरकार डीएम को तत्काल हटायें: दद्दू प्रसाद

बम ब्लास्ट में डीएम ने की है लापरवाही

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सूबे के पूर्व ग्राम्य विकास मंत्री दद्दू प्रसाद ने सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को राय दी है कि बुन्देलखण्ड महोत्सव में बम ब्लास्ट से चार मासूम छात्रों की मौत के मामले में वे तत्काल प्रभाव से जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द को हटा दें, क्योंकि हादसे में पूरी तरह से जिलाधिकारी दोषी हैं। अन्यथा डीएम की लापरवाही का खामियाजा सरकार को भोगना होगा।

शुक्रवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री दद्दू प्रसाद ने प्रेस के कार्यालय में भेंट की। उन्होंने सरकार को राय दिया कि अपनी साख बचाने को डीएम को तत्काल प्रभाव से हटा देना चाहिए, क्योंकि डीएम ने बुन्देलखण्ड महोत्सव में आतिशबाजी को एहतियाती प्रबन्ध नहीं किये। वैसे भी शासनादेश हैं कि आतिशबाजी औचित्यपूर्ण नहीं है। सुरक्षा के चैकस इंतजाम होने चाहिए, जो डीएम की जिम्मेदारी है। डीएम वैसे भी आम जनता से संवाद नहीं करते। आम जनता से दूरियां बनाकर चलते हैं। कोई भी अधिकारी कानून से ऊपर नहीं है। कानून अनुसार कार्य होने चाहिए।

उन्होंने कहा कि अन्य जिलों में सरकार हादसे पर पचास-पचास लाख रुपये देती है, यहां के चार मासूम छात्रों के हादसे में जान गंवाने पर पांच-पांच लाख रुपये देकर सरकार सौतेला बर्ताव कर रही है। डीएम ने दो मासूम छात्रों के मरने के बाद प्रयागराज रेफर करवा दिया, ताकि वहां पोस्टमार्टम हो सके। यहां कोई आन्दोलित न हो सके। कहा कि जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द जिले का चार्ज देने लायक नहीं हैं। सरकार को मशविरा दिया कि डीएम सत्ता पक्ष को क्षति पहुंचा रहे हैं। मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये देना ऊंट के मुंह में जीरा है, परिजन दुख से सहमे हैं। डीएम पर कार्यवाही न होने से सरकार की बाबत गलत संदेश जा रहा है।

विस्फोट से चार छात्रों के मौत की एबीवीपी ने की निन्दा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक रोहित पाण्डेय व जिला सहसंयोजक तेज प्रकाश की अगुवाई में सूबे के मुख्यमंत्री संबोधित ज्ञापन एसडीएम सदर को सौंपा। शुक्रवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक रोहित पाण्डेय व जिला सहसंयोजक तेज प्रकाश की अगुवाई में सूबे के मुख्यमंत्री सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम सदर को सौंपा। ज्ञापन में कहा कि बुन्देलखण्ड गौरव महोत्सव दौरान दुर्भाग्यपूर्ण घटना की निन्दा करते हैं। दोषियों पर कडी कार्यवाही की जाये। जिले में दो दिवसीय बुन्देलखण्ड गौरव महोत्सव चित्रकूट इंटर कालेज में हो रहा था। पर्यटन विभाग ने चित्रकूट इंटर कालेज प्रशासन से कोई अनुमति नहीं ली थी। महोत्सव में आतिशबाजी को भारी तादाद में विस्फोटक पदार्थ महोत्सव मंच के पीछे रखे थे। पूरी तरह लापरवाही बरती गई है। कार्यक्रम में भीड बढने दौरान विस्फोटक पदार्थ फटने से चार छात्रों की दर्दनाक मौत पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद निन्दा करता है।

परिषद ने मांग उठाई कि विस्फोट में मृत छात्रों के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाये। विस्फोट में घायल छात्रों के इलाज समेत पुर्नवासन को कदम उठाये जायें। भविष्य में किसी भी विद्यालय, कालेज, डिग्री कालेज मैदान में सार्वजनिक कार्यक्रमों का उपयोग न किया जाये। पर्यटन विभाग के लापरवाह अधिकारियों पर कडी कार्यवाही की जाये। मानवीय संवेदना के मद्देनजर डॉक्टरों के घोषित मृतक की गणना व अन्य लोगों की घटना स्थल पर मृत्यु अथवा क्षतिग्रस्त होने की दशा में मानवीय संवेदना से इलाज किया जाये। इस मौके पर परिसर के अनुज निषाद, बादल, प्रशान्त शुक्ला, राजप्रताप, आयुष सिंह, शिवम, राजेश सिंह, ललक सिंह, नीतेश, आदर्श यादव आदि मौजूद रहे।

जेईई मेन्स परीक्षा में पुनीत ने बढ़ाया छीबों का मान

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। रामनगर ब्लाक के छीबों गांव के शिक्षामित्र अनिल कुमार मिश्र के छोटे बेटे पुनीत कुमार ने आईआईटी जेईई मेंस परीक्षा में ऑल इंडिया 98 परसेंटाइल अंक लाकर छीबों समेत माता-पिता का नाम रोशन किया है। छात्र की उपलब्धि पर डॉ रविशंकर पाण्डेय पीसीएस, बृजनन्दन ओझा श्रम प्रवर्तन अधिकारी, शिक्षक ज्ञान प्रकाश मिश्रा, शिक्षक पुष्कर शुक्ला, शिक्षक कृष्णकांत पाण्डेय, डॉ राजेन्द्र पाण्डेय, हरी नारायण पाण्डेय पत्रकार, अखिलेश पाण्डेय जिलाध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ चित्रकूट, शिवशंकर चैधरी प्रधानाचार्य गोस्वामी इंटर कालेज छीबों, बालमुकुन्द पाण्डेय पूर्व ब्लाक प्रमुख रामनगर, अर्जुन शुक्ला सदस्य जिला पंचायत ने पुनीत कुमार के उज्जवल भविष्य की कामना की है। शुक्रवार को गांव के युवा वर्ग ने होनहार युवा से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का संकल्प लिया है।

नाला निर्माण को अध्यक्ष ने किया भूमि पूजन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता ने विस्तारित क्षेत्र वार्ड छह तुलसीनगर कसहाई रोड में नाला निर्माण को भूमि पूजन किया। चेयरमैन नरेन्द्र गुप्ता व ईओ लालजी यादव, जेई संतोष सिंह राठौर, वार्ड मेम्बर तुलसीनगर राजकमल वर्मा समेत विनीत पयासी, चंद्रप्रकाश, शुभम केशरवानी, अनुज निगम की मौजूदगी में अध्यक्ष ने कहा कि आम जनता की सुविधा के मद्देनजर जल निकासी प्रबंधन को कसहाई रोड गल्ला मंडी गेट के पास से ज्ञान भारती इंटर कालेज के गेट तक नाला निर्माण को भूमि पूजन कर निर्माण कार्य शुरू कराया।

शुक्रवार को उन्होंने कहा कि पूरे नगर में जल निकासी को नाली व नाले का निर्माण कराया जाएगा। शासन से पर्याप्त बजट नहीं आया। निर्माण कार्य पूरे नहीं हो पा रहे, बजट आते ही बोर्ड बैठक में आये प्रस्ताव के कार्य कराये जायेंगे। ईओ लालजी यादव ने बताया कि ये नाला 90 मीटर का है। लागत दस लाख 85 हजार रुपये है। जेई व ठेकेदार को निर्देश दिए कि नाला निर्माण में गुणवत्ता का खास ध्यान रखा जायेगा। निर्माण कार्य में हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बाबा का कत्ल करने पर नाती को उम्रकैद, जिला जज विकास कुमार प्रथम ने सुनाया फैसला

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। चचेरे भाइयों को जमीन देने के फैसले से खफा युवक के बाबा की हत्या मामले में हत्यारोपी युवक को सत्र न्यायाधीश विकास कुमार प्रथम ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दस हजार रुपये के जुमार्ना से भी दंडित किया है।

शुक्रवार को जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्याम सुंदर मिश्रा ने बताया कि दो सितंबर 2019 को पहाड़ी थाने के इटौरा गांव के भगवानदीन आरख पुत्र असवा ने रिपोर्ट लिखाई थी कि 65 वर्षीय भाई रामदास की एक सितंबर 2019 की शाम साढे सात बजे घर से भोजन कर खेतों की रखवाली को गया था। दूसरे दिन सवेरे रामदास घर नहीं लौटा तो वह मवेशियों का गोबर लेकर खेत में डालने गया। उसने देखा कि रामदास की गला काटकर हत्याकर दी गई है। खेत में शव पड़ा मिला। हत्या प्रेमचंद आरख ने की थी। मृतक रामदास अपने हिस्से की आठ बीघा जमीन नाती रामचंद्र, सुरेश चंद्र व महेश को दान में देने वाले थे। प्रेमचंद विरोध कर रहा था। उसने रामदास को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने मामले में दर्जकर हत्यारोपी को गिरफ्तार किया था। न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। बचाव व अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद शुक्रवार को जिला जज विकास कुमार प्रथम ने फैसला सुनाया। दोष सिद्ध होने पर हत्यारोपी प्रेमचंद को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दस हजार रुपये का जुमार्ना भी किया। न्यायालय के फैसले बाद हत्यारोपी को सजा भुगतने को जिला कारागार भेजा।

डीएम-एसपी ने परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर दिये निर्देश

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश पुलिस परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द व पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, शिवाजी इंटर कॉलेज चितरागोकुलपुर, सेठ राधा कृष्ण पोद्दार इंटर कॉलेज, कालका देवी इंटर कॉलेज पुरवा तरौंहा, श्री गंगा प्रसाद जन सेवा इंटर कॉलेज कर्वी, ज्ञान भारती इंटर कॉलेज कर्वी, पालेश्वरनाथ इंटर कॉलेज पहाड़ी व जयराम राही इंटर कॉलेज कर्वी का निरीक्षण किया। शुक्रवार को डीएम-एसपी ने परीक्षा केंद्रों में सेक्टर मजिस्ट्रेटों, स्टेटिक मजिस्ट्रेटों, केंद्र व्यवस्थापकों व सह केंद्र व्यवस्थापकों से सीसीटीवी कैमरा लगाने, डीबीआर कंट्रोल रूम, प्रश्न पत्र कंट्रोल रूम, परीक्षा कक्षाओं में प्रकाश, पेयजल, साफ-सफाई, फर्नीचर, परीक्षार्थियों के सीटिंग प्लान, शौचालय आदि की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने सेक्टर मजिस्ट्रेटों से कहा कि अपने क्षेत्र के विद्यालयों पर पुलिस परीक्षा को सम्पन्न कराने को शासन से मिले दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि परीक्षा में कोई समस्या न हो।

डीएम-एसपी ने सेठ राधा कृष्ण पोद्दार इंटर कॉलेज में चल रही ब्रीफिंग दौरान कक्ष निरीक्षकों से परीक्षा संपन्न कराने बाबत विभिन्न प्रश्न पूंछे। कक्ष निरीक्षकों ने सही उत्तर दिया। निरीक्षण दौरान एएसडीएम पंकज वर्मा, सतीश चंद्र समेत स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, सह केंद्र व्यवस्थापक आदि मौजूद रहे।

इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केन्द्र त्यागी इंटर कालेज ऐंचवारा, राजकीय महाविद्यालय मानिकपुर व कृषक इंटर कालेज भौंरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण दौरान परीक्षा केन्द्र में सीसीटीवी कैमरा, बैठने की व्यवस्था, गेट पर आने-जाने की व्यवस्था, सामान रखवाने आदि व्यवस्था को जायजा लिया। सुधार को दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि परीक्षार्थी किसी के बहकावे में आकर रुपये-पैसे न दें। अपने भविष्य को संवारने को निष्पक्ष परीक्षा में ही भरोसा करें।

किसानों से मोदी वायदे से मुकरे: रुद्र

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। संयुक्त किसान मोर्चा राज्य कार्यकारिणी सदस्य का रुद्र प्रसाद मिश्र एड ने राष्ट्रपति सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम सदर को सौंपा। ज्ञापन में कहा कि मोदी सरकार की वायदा खिलाफी के विरोध में प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शन असफल बनाने को मोदी सरकार पुलिस बल से आन्दोलन कुचलने का काम कर रही है।

शुक्रवार को संयुक्त किसान मोर्चा राज्य कार्यकारिणी सदस्य का रुद्र प्रसाद मिश्र एड की अगुवाई में किसानों ने प्रदर्शन कर तहसील मुख्यालय पहुंचे। यहां एसडीएम सदर सौरभ यादव को राष्ट्रपति सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा कि मोदी सरकार असंवैधानिक कार्य कर रही है। पूरे भारत में ग्रामीण बन्द व औद्योगिक हडताल सफल हो रही है। किसानों के शान्तिपूर्ण संघर्ष पर हमला करने को पुलिस व सशस्त्र सुरक्षा बलों को तैनात करने से जाहिर है कि मोदी सरकार ने जनता का विश्वास खो दिया है। लोकतांत्रिक समाज में प्रत्येक नागरिक को शान्तिपूर्ण विरोध करने का हक है। सरकार की जिम्मेदारी है कि प्रत्येक वर्ग के लोगों के ज्वलंत मुद्दे को हल करें। आजीविका की रक्षा को समाधान करें। मजबूर लोगों के साथ दुश्मन जैसा बर्ताव न करें। किसान आन्दोलन की समाप्ति पर मोदी सरकार ने लिखित वायदा किया था। किसानों की मांगों पर तत्काल निर्णय लिया जायेगा। 2014 के चुनावी घोषणा पत्र में भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वायदे पर अमल नहीं किया।

उन्होंने सरकार से मांग किया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य गारंटी कानून बनायें, बिजली विधेयक वापस लें। किसान के कर्जे माफ हों। किसान को बुढापे में दस हजार महीना पेंशन दी जाये। मजदूरों को न्यूनतम 26 हजार महीना दिया जाये। आवारा पशुओं से किसानों की हुई क्षति का मुआवजा दिया। खाली पडी सरकारी नौकरियों पर भर्ती की जाये। बुलडोजर संस्कृति व पुलिस दमन बन्द किया जाये। इस मौके पर का अजय सिंह, राजेश कुमार, इन्द्रजीत, शिवप्रसाद, मोहन, रामसहाय सिंह, राजाराम, देवनारायण, वीरबहादुर सिंह, शिवमोहन यादव आदि मौजूद रहे।

इसी क्रम में ग्रामीण भारत बंद में किसानों ने खेतों पर काम नही किया। अपना उत्पाद बाजार नहीं भेजा। किसानों ने कार्य बहिष्कार किया। भाकियू जिलाध्यक्ष राम सिंह पटेल की अगुवाई में भाकियू के सैकड़ों गांवों में किसानों ने कार्य बहिष्कार किया। ये जानकारी जिला मीडिया प्रभारी देवेन्द्र सिंह ने दी।

भारतीयों को फिरौती के लिए धमकी मिलने का मामला, कनाडा पुलिस ने बनाई राष्ट्रीय जांच समिति

कनाडा. कनाडा में बीते दिनों भारतीय मूल के लोगों को फिरौती के लिए धमकी भरे कॉल आने का मामला सामने आया था। अब खबर आयी है कि कनाडा की पुलिस ने एक राष्ट्रीय स्तर की टीम बनाई गई है, जो इन मामलों की जांच करेगी। रॉयल कनैडियन माउंटेड पुलिस की नेशनल कॉर्डिनेशन और सपोर्ट टीम ब्रिटिश कोलंबिया, ओंटारियो और अल्बर्टा राज्यों की पुलिस के साथ मिलकर इन घटनाओं की जांच कर रही है। इन तीन राज्यों में ही भारतीय और दक्षिण एशियाई मूल के नेताओं को फिरौती के लिए ही धमकी मिलने

की खबरें सामने आयीं थी।

कनाडा पुलिस का दावा- संगठित अपराध का है मामला

कनाडा पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि जांच टीम फिरौती के लिए आयी धमकी भरी कॉल के पीछे के मकसद की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि ये मामला संगठित अपराध से जुड़ा है। बीते कुछ माह पहले कनाडा में दक्षिण एशियाई मूल के लोगों खासकर भारतीय मूल के लोगों को फिरौती के लिए धमकी भरे कॉल आये थे।

इस मामले में कई शिकायत दर्ज हुईं। कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से कनाडा में भारतीय मूल के लोगों खासकर हिंदुओं के खिलाफ हमले बढ़े हैं। कई हिंदू मंदिरों को भी निशाना बनाया गया है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में LOC के समीप आए पाकिस्तानी ड्रोन, सेना ने बरसाईं गोलियां

नेशनल डेस्क. जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में दो अलग-अलग स्थानों पर नियंत्रण रेखा (एलओसी) की सुरक्षा में लगे जवानों ने शुक्रवार को पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराने के लिए गोलियां चलाईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, भारतीय क्षेत्र के बालनोई-मेंधर और गुलपुर इलाके में उड़ते हुए ड्रोन दिखाई देने के बाद सेना ने गोलियां चलाईं, जिसके बाद वे पाकिस्तानी सीमा में लौट गये। उन्होंने बताया कि दोनों इलाकों में तलाशी अभियान चलाया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं ड्रोन ने कोई हथियार या फिर किसी प्रकार का कोई मादक पदार्थ तो नहीं गिराया।

अधिकारियों ने बताया कि जवानों ने सुबह करीब साढ़े छह बजे मेंधर के बालनोई इलाके में दो ड्रोन को घुसते हुए देखने के बाद गोलियां चलाईं, जिसके बाद रिमोट से उड़ाई जाने वाली ये मशीनें लौट गयीं। उन्होंने बताया कि ठीक इसी तरह उसी समय गुलपुर इलाके में भी दो ड्रोन को उड़ते हुए देखने के बाद भारतीय सेना के जवानों ने गोलियां चलाईं।

पाकिस्तान, जम्मू-कश्मीर में मादक पदार्थों और हथियारों को गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हाल ही में हथियारों और मादक पदार्थों को गिराने के उद्देश्य से सीमा पार से उड़ाए गए ड्रोन के बारे में जानकारी देने वालों को तीन लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की थी।

JUI-F के नेता का बड़ा दावा, सेना के शीर्ष अधिकारियों ने 2022 में इमरान खान की सरकार को गिराया

जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल के मौलाना फजलुर रहमान दावा किया कि पूर्व सेना प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) कमर जावेद बाजवा ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ सरकार को गिराया था।

इस्लामाबाद. एक वक्त था जब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पाकिस्तानी सेना के लिए आंखों का तारा हुआ करते थे। विपक्षी नेता भी इमरान खान पर तंज कसते हुए उन्हें सेना का दुलारा कहकर बुलाते थे। हालांकि, फिर एक ऐसा समय आया, जब खान सेना के लिए एक तरह से अभिशाप बन गए। इसी को लेकर, पाकिस्तान के एक दक्षिणपंथी पाकिस्तानी राजनेता ने एक बड़ा खुलासा किया। उन्होंने दावा किया कि शीर्ष सैन्य नेताओं ने साल 2022 में इमरान खान की सरकार को गिराया था।

टीवी टॉक शो में दावा

जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के मौलानाफजल-उर-रहमान ने गुरुवार को एक टीवी टॉक शो में दावा किया कि पूर्व सेना प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) कमर जावेद बाजवा ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सरकार को गिराया था।

अविश्वास प्रस्ताव पर बोले रहमान

रहमान ने पीटीआई संस्थापक के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को वापस लेने पर कहा कि जब पीपीपी पीटीआई के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला रही थी, तब जनरल बाजवा और फैज हमीद हमारे संपर्क में थे। उन्होंने सभी दलों से अविश्वास प्रस्ताव लाने को कहा था।

रहमान ने एक सवाल के जवाब में कहा, किसी को उनके सामने खड़ा होना चाहिए था और कहना चाहिए कि यह गलत है। उन्होंने आगे कहा, जब तक चीजें ठीक नहीं हो जातीं, तब तक विरोध जारी रहेगा, क्योंकि सत्ता का राजनीति से कोई लेना-

देना नहीं है। इस विरोध के परिणामस्वरूप एक क्रांति होगी।

गठबंधन सरकार बनाने की योजना पर आलोचना

पीटीआई के साथ बातचीत पर रहमान ने कहा, पीटीआई के साथ मन में मतभेद है, जिसे सुलझाया जा सकता है। उन्होंने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी समेत अन्य दलों के सहयोग से गठबंधन सरकार बनाने की योजना की घोषणा के लिए पीएमएल-एन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान संसद का कोई भविष्य नहीं है, क्योंकि संसद में निर्णय और नीतियां कहीं और से आएंगी।

पाकिस्तान की राजनीति में नाटकीय उठापटक

गौरतलब है, पाकिस्तान की राजनीति में नाटकीय उठापटक तब शुरू हुई थी जब इमरान खान पाकिस्तान की जनता को गुड गवर्नेंस देने में लगातार विफल होने लगे थे। खासकर पंजाब प्रांत के बिगड़ते हालातों ने सेना को सोचने पर मजबूर कर दिया था। यहां तक कि पाकिस्तान के विपक्षी पार्टियां भी खुलेआम सेना पर आरोप लगाने लगी थीं कि सेना की वजह से इमरान खान को सत्ता की चाबी मिली है। वहीं, जनरल बाजवा और लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद के बीच के मतभेद उभरकर सामने आने लगी थे।

इन सबके बीच, 10 फरवरी, 2022 को पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान को उनके नेतृत्व में अविश्वास मत हारने के बाद सत्ता से बेदखल कर दिया गया था।

विपक्षी दलों द्वारा उनके खिलाफ एक प्रस्ताव लाए जाने के बाद मतदान आयोजित किया गया था। यह मतदान तब हुआ जब देश के उच्चतम न्यायालय ने विपक्षी दलों के पक्ष में फैसला दिया और कहा कि 71 वर्षीय खान ने असंवैधानिक रूप से काम किया है।

भारतीय मूल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर की अमेरिका में पारिवारिक आत्महत्या मामले में बड़ा खुलासा

नेशनल डेस्क. अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में एक भीषण हत्या-आत्महत्या में भारतीय मूल के पूर्व मेटा सॉफ्टवेयर इंजीनियर आनंद हेनरी पर खुद को बंदूक से उड़ाने से पहले अपनी पत्नी और जुड़वां बेटों की हत्या करने का संदेह है।सैन मेटो पुलिस विभाग के अनुसार, 37 वर्षीय हेनरी और उनकी पत्नी, 36 वर्षीय एलिस बेंज़िगर, सोमवार सुबह अल्मेडा डी लास पुलगास में अपने घर के बाथरूम में मृत पाए गए। हेनरी के नाम पंजीकृत एक 9 मिमी हैंडगन बाथरूम के फर्श पर उनके शरीर के पास पड़ी थी।पुलिस ने गुरुवार को एक बयान में कहा, हमारी

जांच से पता चलता है कि बेंज़िगर की मौत कई गोलियों के घाव के कारण हुई, जबकि हेनरी को एक ही गोली लगी। इस बीच, 4 वर्षीय जुड़वां बेटे बंदूक की गोली से नहीं मरे। उनमें आघात का कोई लक्षण नहीं दिखा, और धिकारियों ने अभी तक उनकी मृत्यु का कारण निर्धारित नहीं किया है।

पुलिस का आरोप है कि हेनरी सभी चार मौतों के लिए जिम्मेदार था।

उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, हेनरी मेटा में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम करते थे और उससे पहले लश्शद्द्यद्द के लिए भी इसी तरह की भूमिका में थे। लॉस एंजिल्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मेटा ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। उनकी प्रोफ़ाइल के अनुसार, उनकी मृत्यु के समय वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता में काम कर रहे थे। लिंक्डइन पर उसक प्रोफ़ाइल के अनुसार, बेंज़िगर ने ज़िलो के लिए एक डेटा वैज्ञानिक के रूप में काम किया।केरल के रहने वाले इस जोड़े ने पिट्सबर्ग में कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय में पढ़ाई की। पुलिस ने कहा कि घर पर हिंसा का कोई इतिहास नहीं था - वे घर में केवल तभी आए थे जब परिवार ने पिछवाड़े में एक पहाड़ी शेर को देखने की सूचना दी थी।

रफा में सैन्य ऑपरेशन को लेकर बाइडन ने फिर नेतन्याहू को चेताया, कहा- एक भरोसेमंद योजना के बिना...

वॉशिंगटन. हमास और इस्राइल के बीच बीते पांच महीने से जंग जारी है। पिछले साल सात अक्तूबर को इस्राइल पर हमास के घातक हमले के बाद दोनों पक्ष आमने-सामने हैं। इस लड़ाई के बीच मिस्र से लगी रफा सीमा पर इस्राइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने कार्रवाई शुरू की है। कार्रवाई यहीं तक सीमित नहीं है बल्कि इस्राइल ने आगे जमीनी हमले के भी संकेत दिए हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक बार फिर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को नागरिकों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए सैन्य अभियान चलाने की हिदायत दी है।

व्हाइट हाउस ने बताया कि जो बाइडन ने गुरुवार को इस्राइली पीएम से कहा कि उन्हें फलस्तीनी नागरिकों की रक्षा के लिए एक भरोसेमंद और जमीन पर उतारी जाने लायक योजना के बिना रफा सीमा पर सैन्य कार्रवाई नहीं करनी चाहिए।

चीन की गोद में खेल रहा मालदीव, 43 भारतीयों के खिलाफ उठाया बड़ा कदम; अभी और बढ़ेगा तनाव!

इंटरनेशनल डेस्क. मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के पिछले साल चुनाव जीतने के बाद से भारत और द्वीप देश के रिश्ते खराब होते गए हैं। मुइज्जू ने मालदीव से भारतीय सेना को वापस जाने के लिए अल्टीमेटम भी दे दिया है। भारत से दूरी बना रहा मालदीव धीरे-धीरे चीन के करीब जा रहा है। हाल ही में मुइज्जू ने चीन की यात्रा की थी, जहां पर पर्यटन समेत 20 समझौतों पर साइन किए। अब भारत से जारी तनाव के बीच मालदीव ने बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, मालदीव ने 43 भारतीय नागरिकों को अपने देश से निकालने का फैसला किया है। 43 भारतीय समेत 186 विदेशियों पर लिए गए ऐक्शन के पीछे मालदीव ने वीजा उल्लंघन और ड्रग्स से जुड़े अपराध करने का आरोप लगाया है। अब इन लोगों को मालदीव डिपोर्ट कर रहा है। भारतीय नागरिकों को डिपोर्ट किए जाने के बाद आशंका जताई जा रही है कि भारत और मालदीव के बीच रिश्ते अभी और बिगड़ सकते हैं। माले के ऑनलाइन समाचार प्रतिष्ठान 'अधाधु' की एक खबर में भारतीयों को डिपोर्ट करने की जानकारी दी गई है। खबर के अनुसार, निर्वासित (डिपोर्ट) किए गए लोगों में सबसे अधिक संख्या बांग्लादेश के लोगों की है। कम से कम 83 बांग्लादेशियों को निर्वासित किया गया है, इसके बाद 43 भारतीयों, 25 श्रीलंकाई और आठ नेपाली नागरिकों को निर्वासित किया गया है। मालदीव के गृह मंत्री अली इहुसन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मंत्रालय अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए वित्त मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने और उन्हें संचालित करने वाले विदेशियों को निर्वासित करने के संबंध में काम कर रहा है।

पाकिस्तान के चुनाव परिणामों पर करीब से नजर रख रहे हैं : अमेरिका

इंटरनेशनल डेस्क. व्हाइट हाउस ने कहा कि वह पाकिस्तान में हाल में हुए आम चुनाव के दौरान मतदाताओं को डराने-धमकाने और दमन की खबरों को लेकर चिंतित है और स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में रणनीतिक संचार के समन्वयक जॉन किर्बी ने संवाददाताओं से कहा,'' हम चिंतित हैं और पाकिस्तान से मिल रहीं डराने धमकाने, मतदाताओं के दमन और इसी प्रकार की अन्य खबरों पर अपनी चिंताएं साझा करते हैं और इस पर करीब से नजर

रख रहे हैं।

उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा,'' मतों की गिनती अब भी जारी है, अंतरराष्ट्रीय निगरानीकर्ता अब भी मतगणना पर नजर बनाए हुए हैं...। भारतीय अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने विदेश मंत्रालय से विजेता को मान्यता देने में देरी करने का आग्रह किया है। कृष्णमूर्ति चीन मामले पर एक समिति के सह-अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने सदन में कहा, '' मैं उन खबरों को लेकर बेहद चिंतित हूं जिनमें कहा जा रहा है कि पाकिस्तानी सेना बृहस्पतिवार को हुए चुनाव के परिणाम को पलटने के लिए वोट में हेराफेरी कर रही है और हिंसा को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा, '' पाकिस्तान के चुनाव के परिणाम वहां की जनता की इच्छा को परिलक्षित करने वाले होने चाहिए न कि सेना के। यह सुनिश्चित करने की सख्त जरूरत है कि हर वोट की गिनती निष्पक्ष और सटीक हो तथा हिंसा रुके।

साहिल उमर; अमेरिका में घूम रहा रहस्यमय हत्यारा, पकड़ने में नाकाम हैं एजेंसियां

अमेरिका के कंसास सिटी में हुई शूटिंग के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं इसमें

मास शूटिंग के बाद गिरफ्तार किए गए संदिग्धों में दो नाबालिग भी शामिल हैं। हालांकि इस घटना के थोड़ी ही देर बाद सोशल मीडिया पर एक 44 साल का शख्स वायरल हो रहा है जिसका नाम साहिल उमर बताया जा रहा है।

उसे कंसास शूटिंग के लिए जिम्मेदार बताया जा रहा है। हालांकि यह शख्स भी एक रहस्य बना हुआ है। उसके बारे में ज्यादा जानकारी एजेंसियों के पास भी नहीं है। बताया जा रहा है कि साहिल उमर अमेरिका में अवैध रूप से घुसा है। इसी साल जनवरी में टेक्सास के सैंडमैन होटल में हुए बम विस्फोट में भी उसका नाम आया था। इसके अलावा नवंबर 2023 में यूएस-कनाडा बॉर्डर रेनबो ब्रिज क्रैश में भी साहिल उमर का नाम आया था।

दिसंबर 2023 में नेवादा यूनिवर्सिटी में हुई गीलोबारी में भी साहिल उमर का नाम आया। एजेंसियों को यह भी नहीं पता है कि इस नाम का शख्सवकई में है या नहीं। ऐसा भी हो सकता है कि अलग-अलग शख्स को साहिल उमर के नाम से पेश किया जाता हो। बता दें कि कंसास में बुधवार को दोपहर दो बजे के आसपास करीब हजारों लोग इकट्ठा हुए थे। तभी वहां गोलीबारी शुरू हो गई जिसमें कम से कम दो दर्जन लोग घायल हो गए और एक की जान चली गई। कंसास सिटी पुलिस का कहना है कि इस घटना में कोई आतंकी ऐंगल सामने नहीं आया है। बता दें कि नेवाडा राज्य के लास वेगास में एक फुटबॉल मैच हुआ था जिसमें कंसास सिटी चीफ के नाम की जीत हुई। इसके बाद इसी जीत का जश्न मनाने के लिए लोग इकट्ठे हुए थे। गोलीबारी के बाद भगदड़ मच गई। तभी एक महिला और एक पुरुष ने हमलावर को पकड़ लिया। बताया जाता है कि यह रैली तीन किलोमीटर लंबी थी। घायल होने वालों में 11 बज्चे भी हैं। 9 बच्चों को गोलियां लगी थीं। बच्चों की उम्र 6 से 15 साल के बीच बताई गई है।

नवाज से आगे निकले शहबाज शरीफ, सेना संग मिलकर छोटे भाई ने कर दिया खेल? बनने जा रहे दोबारा पाक PM

पाकिस्तानी मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, प्रशासन और सरकार से जुड़े शक्तिशाली लोग नवाज शरीफ की तुलना में छोटे भाई शहबाज शरीफ के साथ काम करने में अधिक सहज महसूस करते हैं।

वॉशिंगटन. पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ एक बार फिर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। उनकी पार्टी ने अन्य दलों के साथ चुनाव बाद गठबंधन बनाते हुए नेशनल असेंबली में बहुमत का आंकड़ा जुटा लिया है। नवाज शरीफ के चौथी बार प्रधानमंत्री बनने की अटकलों के बीच अचानक शहबाज फ्रंट सीट पर आ गए हैं। इससे पार्टी के अंदर भी खलबली मची हुई है। हालांकि, नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज ने इससे इनकार किया है। सूत्रों के मुताबिक, शक्तिशाली सेना के समर्थन से प्रधानमंत्री का प्रतिष्ठित पद हासिल करने की दौड़ में शहबाज शरीफ अपने 74 वर्षीय भाई नवाज शरीफ से आगे निकल गए हैं। इससे अब माना जा रहा है कि पूर्व पीएम नवाज शरीफ का सियासी करियर आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है। पाकिस्तानी मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, प्रशासन और सरकार से जुड़े शक्तिशाली लोग नवाज की तुलना में शहबाज के साथ काम करने में अधिक

सहज हैं। उधर, मरियम ने कहा है कि नवाज शरीफ चौथी बार प्रधानमंत्री बनना चाहते थे, लेकिन खंडित जनादेश के बाद वह शीर्ष पद की रेस से हट गए हैं।अगर सब कुछ योजना के अनुसार हुआ, तो तख्तापलट की आशंका वाले पाकिस्तान में अगले महीने की शुरुआत में छह-दलीय गठबंधन की सरकार बनने की संभावना है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (PML-N), पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) समेत तीनों दलों में से किसी को भी 8 फरवरी को हुए आम चुनावों में नेशनल असेंबली में बहुमत हासिल नहीं हो सका था। इसलिए कोई भी दल अकेले सरकार बनाने में सक्षम नहीं है।

कौन हैं शहबाज शरीफ

72 साल के शहबाज शरीफ अप्रैल 2022 से अगस्त 2023 तक पाकिस्तान के प्रधान मंत्री रह चुके हैं। अप्रैल 2022 में इमरान खान के सत्ता से हटने के बाद शहबाज ने एक गठबंधन सरकार के मुखिया के रूप में पाकिस्तान की कमान संभाली थी। इससे पहले, वह तीन बार पंजाब के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। 1997-1999 तक के पहले कार्यकाल के दौरान ही तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज़ मुशर्रफ ने उन्हें और उनके परिवार को सऊदी अरब निर्वासित कर दिया था।

शहबाज़ शीफ का परिवार मूलत जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग का रहने वाला है। उनके पिता मुहम्मद शरीफ़ उद्योगपति थे। वह उनके दूसरे बेटे हैं और परिवार के स्वामित्व वाले इत्तेफ़ाक ग्रुप ऑफ स्टील इंडस्ट्रीज में भी शामिल हैं। उन्होंने तीन शादियां की हैं।

पंजाब के सीएम के रूप में शहबाज शरीफ की पहचान एक तेज तर्रार नेता और प्रशासक के रूप में रही है। वह लाहौर समेत अन्य शहरों में आधारभूत संरचनाओं के विकास के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री के रूप में वह कम ही लोकप्रिय हो सके। जब उन्होंने पाकिस्तान की कमान संभाली, तब से देश आर्थिक संकटों से ही घिरा रहा है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।